https://www.facebook.com/Kamal.Sandesh/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

'शांति, सद्भाव और प्रगति के लिए योग'

वर्ष-14, अंक-13 01-15 जुलाई, 2019 (पाक्षिक) ₹20

अभिनंदन! अभिनंदन!!

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि देते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि देते हुए भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा

नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करते केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर संसद भवन के सामने योगाभ्यास करते लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला और अन्य सांसद गण

नागपुर (महाराष्ट्र) में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास करते केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी

नांदेड (महाराष्ट्र) में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास करते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फणनवीस

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 जगत प्रकाश नड्डा बने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री जगत प्रकाश नड्डा को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। गत 17 जून को भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में उनको इस पद पर नियुक्त किए जाने का निर्णय किया गया। श्री नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र...

वैचारिकी

समृद्धि की मर्यादा 16

श्रद्धांजलि

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी / मदन लाल सैनी 19

लेख

योग और आप; मजबूत शरीर, स्वस्थ दिमाग 23

अन्य

सरकार ने ईएसआई अंशदान की दर 6.5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत की 15

शांति, सद्भाव और प्रगति के लिए योग: नरेन्द्र मोदी 20

विश्व में पूरे उत्साह से मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 22

सरकार मजबूत, सुरक्षित और समावेशी भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 24

आतंकवाद को प्रोत्साहन दे रहे देशों को जवाबदेह ठहराया जाए: नरेंद्र मोदी 30

भारत और मालदीव के बीच 6 समझौतों पर हस्ताक्षर 31

भारत श्रीलंका के साथ एकजुटता से खड़ा है: नरेन्द्र मोदी 32

नरेंद्र मोदी होने का अर्थ 33

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने 2019 में दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेता 34

10 2019 का चुनाव देश में जातिवाद, परिवारवाद एवं संप्रदायवाद के खिलाफ जनमत: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री...

12 भाजपा में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक और 12 पार्षद

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पश्चिम बंगाल के प्रभारी श्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में 18 जून को तृणमूल कांग्रेस के...

13 ओम बिरला बने नये लोकसभा अध्यक्ष

भाजपा सांसद और राजग उम्मीदवार श्री ओम बिरला को 19 जून को सर्वसम्मति से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गये और रक्षा मंत्री श्री...

13 मई, 2019 के दौरान महंगाई में भारी कमी

मासिक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मई, 2019 के दौरान (मई, 2018 की तुलना में) 2.45 प्रतिशत...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ. प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

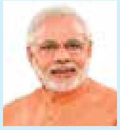

कुछ लोगों ने बड़े नारे बुलवाए – किसने किया, किसने किया।
25 जून 1975 – किसने किया?
लोकतंत्र का गला घोंटा गया – किसने किया?
मीडिया पर प्रतिबंध लगाए गए - किसने किया?
अदालतों का अपमान हुआ - किसने किया?

@AmitShah

1975 में आज ही के दिन मात्र अपने राजनीतिक हितों के लिए देश के लोकतंत्र की हत्या की गयी। देशवासियों से उनके मूलभूत अधिकार छीन लिए गए, अखबारों पर ताले लगा दिए गए। लाखों राष्ट्रभक्तों ने लोकतंत्र को पुनर्स्थापित करने के लिए अनेक यातनाएं सहीं। मैं उन सभी सेनानियों को नमन करता हूं।

@Ramlal

कांग्रेस को कौन सा पुराना भारत चाहिए?
आपातकाल वाला
निर्दोष सिखों के नरसंहार वाला
कश्मीरी पंडितों की हत्या और विस्थापन वाला
लगातार होने वाली आतंकी घटनाओं वाला
रोज़ घोटालों से भ्रष्टाचार की नयी परिभाषाएं गढ़ने वाला

facebook

1975 का वह काला दिन (25 जून) आज ही है, जब लोकतंत्र का गला घोंटते हुए आपातकाल की घोषणा की गई थी। देश आज भी उन क्रूर यातनाओं को नहीं भूला, लेकिन देश आगे बढ़ेगा। इस संकल्प के साथ कि राष्ट्र उत्थान ही हमारा पहला धर्म है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ने, प्राण न्योछावर करने वाले सपूतों को नमन!

— शिवराज सिंह चौहान

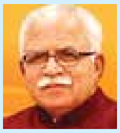

योग भारतीय संस्कृति की अनमोल देन है। योग को दैनिक जीवन में अपनाकर हम शारीरिक, मानसिक, नैतिक आध्यात्मिक सुख का आनंद ले सकते हैं।

— मनोहर लाल

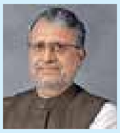

जब संयुक्त राष्ट्र की ओर से घोषित अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर 192 देशों सहित भारत में भी लाखों लोगों ने अनेक स्थानों पर सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर तन-मन को ऊर्जावान करने का संदेश दिया, तब विश्व को भारत के इस योगदान पर गर्व करने के बजाय राहुल गांधी ने सेना के डॉग स्क्वायड में आयोजित योग कार्यक्रम का उपहास करती तस्वीर पोस्ट कर एक बार फिर सेना, योग और भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी घटिया सोच जाहिर की।

— सुशील कुमार मोदी

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
जगन्नाथ रथ यात्रा (04 जुलाई)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

विश्व लोकतंत्र में अनुपम उदाहरण है भाजपा

देश की जनता का भारी जनादेश अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्वों के साथ मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपानीत राजग के प्रति निरंतर बढ़ते जनविश्वास का परिणाम यह जनादेश है जो पिछले पांच वर्षों की कड़ी मेहनत एवं दूरदर्शी नीतियों से अर्जित की गई है। यह संपूर्ण राष्ट्र एवं देश के जन–जन के प्रति दायित्वों एवं कर्तव्यों का वह बोध है, जिससे मोदी सरकार 'नए भारत' के निर्माण के प्रति दिन–रात समर्पित है। यह मोदी सरकार के 'स्पीड, स्केल, स्किल' का ही परिणाम है कि भारत के अनेक अभिनव जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को पूरे विश्व में मान्यता मिल रही है तथा विभिन्न स्तरों पर अनेक उपलब्धियां प्राप्त हो रही हैं। वर्तमान में चल रहे संसद सत्र में राष्ट्रपति महोदय ने अपने अभिभाषण में सरकार की उपलब्धियों एवं प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है। एक ओर जहां मोदी सरकार के पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों का खाका प्रस्तुत किया गया, वहीं दूसरी ओर उनकी निरंतरता के प्रति देश को आश्वस्त हुआ है। राष्ट्रपति अभिभाषण से पूरा देश पुनः आशा एवं विश्वास से भर गया है कि मोदी सरकार देश के सर्वांगीण विकास, अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में प्रगति एवं समाज के हर अंग के उत्थान के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर पूर्ण रूपेण संकल्पित है। राष्ट्रपति अभिभाषण में न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं पर बल दिया गया है, बल्कि भविष्य के लिए एक दूरदर्शी, राष्ट्र केंद्रित विकास का पथ भी प्रशस्त किया गया है। एक सशक्त, सुदृढ़, समृद्ध एवं गौरवशाली भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार का अभिनंदन आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हो रहा है।

> इसमें राई मात्र भी संदेह नहीं कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह एवं भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में आने वाले दिनों में भाजपा और भी कई नये कीर्तिमान स्थापित करेगी।

एक ओर जहां मोदी सरकार एक महान् भारत के नींव के निर्माण में दिन–रात लगी हुई है, दूसरी ओर आने वाले दिनों में अपनी सदस्य संख्या 20 प्रतिशत बढ़ाकर भाजपा ने नए सदस्यता अभियान के माध्यम से संगठन को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लिया है। आज जब भाजपा जन–जन की आशाओं एवं आकांक्षाओं के रूप में उभरी है, देश के कोने–कोने में संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण से भाजपा से जन-जन की जुड़ी राष्ट्रीय आकांक्षाओं का आभास मिलता है। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में पूरे देश में जनाकांक्षाओं का प्रकटीकरण कई नए क्षेत्रों में भाजपा के विजय से हुआ है। इसलिए यह भाजपा का दायित्व बनता है कि अपने इस व्यापक होते जनाधार को संगठनात्मक आधार दे और इसी लक्ष्य के साथ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने सदस्यता अभियान की योजना बनाई है, ताकि नए सदस्यों को पार्टी से जोड़कर संगठन को और अधिक व्यापक एवं सुदृढ़ किया जा सके। विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल के रूप में आने वाले महीनों में भाजपा और भी अधिक बड़ी पार्टी बन जाएगी, जो विश्व के लोकतंत्र में स्वयं में एक अनुपम उदाहरण होगा।

एक ओर जहां देश के कोने–कोने में जनसेवा के माध्यम से भाजपा का संगठनात्मक आधार निरंतर बढ़ा है, वहीं दूसरी तरफ श्री जगत प्रकाश नड्डा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने से पार्टी को और अधिक ऊर्जा एवं गति मिलने वाली है। श्री जगत प्रकाश नड्डा, जिन्होंने संगठन के विभिन्न स्तरों पर अपना बहुमूल्य योगदान दिया है तथा पिछली मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, एक सांगठनिक व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिनमें संगठनात्मक अनुभव, दक्षता एवं उच्च आदर्शों के लिए प्रतिबद्धता कूट–कूट कर भरी है। कार्यकारी अध्यक्ष की घोषणा से पुनः उन उच्च सिद्धांतों का साक्षात्कार हुआ है, जिनका आज देश में भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में प्रतिनिधित्व करती है। इसमें राई मात्र भी संदेह नहीं कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह एवं भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में आने वाले दिनों में भाजपा और भी कई नये कीर्तिमान स्थापित करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत राजग सरकार की गौरवशाली उपलब्धियों से भाजपा नेतृत्व की विश्वसनीयता कई गुणा अधिक बढ़ी है जिससे भाजपा और अधिक सुदृढ़ हुई है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना भविष्य में भी निरंतर भाजपा कार्यकर्ताओं को मां भारती के चरणों में समर्पित होने को प्रेरित करती रहेगी। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

जगत प्रकाश नड्डा बने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री जगत प्रकाश नड्डा को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। गत 17 जून को भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में उनको इस पद पर नियुक्त किए जाने का निर्णय किया गया। श्री नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, श्री राजनाथ सिंह समेत बोर्ड के सभी सदस्यों ने बधाई दी।

भाजपा मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई संसदीय बोर्ड की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, श्री राजनाथ सिंह, श्री नितिन गडकरी, श्री रामलाल, श्रीमती सुषमा स्वराज, श्री थावरचंद गहलोत समेत सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के बाद श्री राजनाथ सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि श्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने कई चुनाव लड़े और सफलतापूर्वक जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री मोदीजी द्वारा श्री शाह को गृहमंत्री बनाए जाने के बाद उन्होंने आग्रह किया कि वह एक साथ मंत्रालय और संगठन का कामकाज नहीं संभाल सकते। इसलिए भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में श्री जगत प्रकाश नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया है।

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने कार्यभार संभाला

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 जून को कार्यभार संभाला। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में श्री नड्डा ने कार्यभार संभाला। राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल, केंद्रीय मंत्री सर्वश्री पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, गिरिराज सिंह समेत कई वरिष्ठ नेताओं एवं केंद्रीय मंत्रियों ने उनका स्वागत किया। श्री नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में सबसे पहले पार्टी के आधारस्तंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाये। तत्पश्चात अपने कार्यालय में पहुंचे।

जीवन-वृत्त

श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

शिक्षा :

- बी. ए., एलएल.बी. सेंट जेवियर स्कूल, पटना, पटना महाविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय और हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला से शिक्षा प्राप्त की

पूर्व धारित पद :

- 1993-98, 1998-2003 और 2007-12ः सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा (तीन कार्यकाल)
- 1994-98ः नेता, भारतीय जनता पार्टी समूह, हिमाचल प्रदेश विधान सभा
- 1998- 2003ः कैबिनेट मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा संसदीय कार्य, हिमाचल प्रदेश सरकार
- 2008-10ः कैबिनेट मंत्री, वन, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, हिमाचल प्रदेश सरकार
- अप्रैल 2012ः राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए,
- मई 2012- अगस्त 2012ः सदस्य, परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी समिति
- अगस्त 2012- नवंबर 2014ः सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय का कोर्ट
- अगस्त 2012 - मई 2014 और सितंबर- नवंबर 2014ः सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संबंधी समिति
- मई 2013 - नवंबर 2014ः सदस्य, विशेषाधिकार समिति सदस्य, कार्य मंत्रणा समिति
- अगस्त 2014- नवंबर 2014ः सदस्य, बीमा विधि (संशोधन) विधेयक,
- 2008ः संबंधी प्रवर समिति
- सितंबर 2014 - नवंबर 2014ः अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास संबंधी समिति
- 9 नवम्बर 2014ः को केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री बने।

विदेश यात्राएं :

- (i) 1992-93ः अमरीका, अमरीकी राष्ट्रपति के चुनावों का अध्ययन करने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में,
- (ii) 2008ः दोहा (कतर), 'मध्य-पूर्व के आर्थिक भविष्य को समृद्ध करना' पर सेमीनार में भाग लेने के लिए और
- (iii) ऑस्ट्रेलिया, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का अध्ययन करने हेतु; कनाडा, कोस्टा रिका, ग्रीस, यू.के. और तुर्की

अन्य :

- जे.पी के आंदोलन से प्रभावित होकर छात्र संघर्ष समिति में शामिल हुए
- 1977-79ः सचिव, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, (ए.बी.वी.पी.), पटना विश्वविद्यालय
- 1980-82ः संयुक्त सचिव, ए.बी. वी.पी., हिमाचल प्रदेश
- 1980-83ः सचिव ए.बी.वी.पी., हिमाचल प्रदेश
- 1983-84ः अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय छात्र संघ
- 1985-86ः क्षेत्रीय सचिव, ए.बी. वी.पी., हिमाचल प्रदेश क्षेत्र
- 1986-89ः राष्ट्रीय सचिव और आयोजन सचिव, ए.बी.वी.पी.ए दिल्ली इकाई,
- 1987ः भ्रष्टाचार के विरोध में राष्ट्रीय संघर्ष मोर्चा आयोजित किया
- 1990-91ः महासचिव, भा.ज.पा, हिमाचल प्रदेश
- 1991-94ः अध्यक्ष, अखिल भारतीय जनता युवा मोर्चा
- 2010 में भाजपा राष्ट्रीय महासचिव बने।

वह पार्टी के मेहनती कार्यकर्ता हैं जो अपनी कड़ी मेहनत और संगठनात्मक कौशल के बल पर आगे बढ़े हैं। विनम्र और मिलनसार नड्डा का भाजपा परिवार में बहुत सम्मान किया जाता है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई।

– **नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

भाजपा संसदीय बोर्ड द्वारा श्री जेपी नड्डा जी को सर्वसम्मति से कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें बधाई देता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में पार्टी निरंतर सशक्त होगी और हम मोदी सरकार की कल्याणकारी नीतियों और संगठन की विचारधारा को देश के कोने-कोने में पहुंचाएंगे।

– **अमित शाह,** भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री जेपी नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। वह भाजपा के सदस्यता अभियान और संगठनात्मक चुनाव संपन्न होने तक अध्यक्ष बने रहेंगे। इस नए दायित्व के लिए नड्डा जी को बधाई और शुभकामनाएं।

– **राजनाथ सिंह,** केंद्रीय रक्षा मंत्री

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर श्री जे पी नड्डा जी को बधाई और शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व में पार्टी संगठन का और मजबूती से विस्तार होगा ये मुझे विश्वास है।

– **नितिन गडकरी,** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

वरिष्ठ नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री जेपी नड्डा जी को भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत होने पर हार्दिक बधाई तथा सफल कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है आपका लम्बा राजनीतिक अनुभव संगठन के कार्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

– **वसुंधरा राजे,** भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

वरिष्ठ नेता श्री जेपी नड्डा को भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत होने पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आप सौम्य, सरल व्यक्तित्व के धनी हैं और राजनीति व संगठन में कार्य करने का लंबा अनुभव रखते हैं। आपसे प्रेरित होकर प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण में अपना अभूतपूर्व योगदान देगा।

– **शिवराज सिंह चौहान,** भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री जगत प्रकाश नड्डा जी को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

– **थावरचंद गहलोत,** केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री

भाजपा संसदीय बोर्ड द्वारा श्री जेपी नड्डा जी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर हार्दिक बधाई। आपके दीर्घकालिक सांगठनिक अनुभव का लाभ पार्टी के विस्तार करने में मिलेगा तथा आपके कुशल नेतृत्व में संगठन और अधिक सुदृढ़ बनेगा। यशस्वी कार्यकाल हेतु शुभेच्छाएं।

– **रामलाल,** भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)

लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से मिले

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के दो दिन बाद श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी से मुलाकात की। श्री आडवाणी को प्रेरणास्रोत बताते हुए श्री नड्डा ने ट्वीट कर कहा, "आपके सान्निध्य से हमें सदैव देश के प्रति समर्पित हो कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।"

2019 का चुनाव देश में जातिवाद, परिवारवाद एवं संप्रदायवाद के खिलाफ जनमतः अमित शाह

गत 13 जून को भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने की। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श हुए।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री भूपेन्द्र यादव एवं श्री अरुण सिंह ने 13 जून को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इससे पूर्व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश प्रभारियों की बैठक का उदघाटन करते हुए अपने अभिभाषण में कहा कि भारत की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं सुशासन वाली सरकार के लिए प्रचंड बहुमत के साथ अपना आशीर्वाद दिया। भारतीय जनता पार्टी की यह अभूतपूर्व और विशाल जीत बूथ स्तरीय करोड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत को समर्पित है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के अभिभाषण का उल्लेख करते हुए श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने पहले कालखंड में राष्ट्रवाद के विचार को लेकर जबकि दूसरे कालखंड में लोकतंत्र बचाने को लेकर आगे बढ़ी। उसके बाद देश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। 2014-2019 का कार्यकाल पार्टी के सुशासन और संगठन का कार्यकाल रहा।

उन्होंने कहा कि इन 5 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी के 11 करोड़ से ज्यादा सदस्य बने और 10 लाख कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हुआ। बूथ और शक्ति केंद्र इकाईयों का गठन हुआ। अनेक संगठनात्मक कार्यक्रम किये गए। साथ ही, सभी वर्गों को जोड़ने का काम किया गया और 4 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता विस्तारक अभियान का हिस्सा बने। यह सबसे बड़ा कार्यक्रम था जब पार्टी के विचारों को घर घर तक पहुंचाया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2019 का चुनाव देश में जातिवाद, परिवारवाद एवं संप्रदायवाद के खिलाफ जनमत है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश में जाति आधारित महागठबंधन के मिथक को समाप्त किया। उत्तर पूर्व राज्यों में पार्टी का विस्तार किया गया और ओडिशा एवं तेलंगाना जैसे राज्यों में जनाधार में विस्तार के साथ ही, देश में जीते हुए 303 सीटों में 220 में पचास प्रतिशत से ज्यादा मत प्राप्त करने में भारतीय जनता पार्टी सफल रही।

श्री भूपेंद्र यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के 9 अगस्त 2014 को राष्ट्रीय परिषद की बैठक में दिए गए उद्बोधन का जिक्र

किया, जिसमें श्री शाह ने कहा था कि भाजपा का उच्चतम लक्ष्य अभी नहीं आया है। अब भी जिन क्षेत्रों में हमारा विस्तार नहीं हुआ है, वहां जाकर भारतीय जनता पार्टी का विस्तार करना है। श्री यादव ने कहा की 2019 के लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से पुराने क्षेत्रों में अपना आधार मजबूत रखते हुए नए क्षेत्रों में विस्तार किया गया है, पार्टी अपने परिश्रम के साथ लगातार अपने उस विस्तार अभियान को जारी रखेगी।

श्री यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आंतरिक लोकतंत्र मजबूत रखने के लिए "संगठन पर्व" कार्य़क्रम को प्रारंभ करेगी और पार्टी आगामी तीन वर्ष के कार्यकाल में सदस्यता बढ़ाने का जो विषय होता है, उस लक्ष्य को प्राप्त करेगी। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी वर्तमान सदस्यता में न्यूनतम 20 प्रतिशत की वृद्धि करने का अभियान आरंभ करेगी। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को सदस्यता अभियान का राष्ट्रीय प्रमुख एवं श्री दुष्यंत गौतम, श्री सुरेश पुजारी, श्री अरुण चतुर्वेदी एवं श्रीमती शोभा सुरेंद्रण को सह प्रमुख बनाया गया है। विभिन्न प्रदेशों में सदस्यता प्रभारी एवं सह प्रभारी की घोषणा बाद में की जाएगी। सदस्यता अभियान संगठन पर्व के पश्चात चुनावी कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

संगठन पर्व के रूप में चलेगा भाजपा का सदस्यता अभियान : शिवराज सिंह चौहान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री शिवराज सिंह चौहान ने 14 जून को राजधानी स्थित पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए लोक सभा चुनाव में पार्टी के शानदार प्रदर्शन पर अपने सभी 11 करोड़ कार्यकर्ताओं को धन्यवाद और बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस शानदार सफलता के पीछे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की असाधारण लोकप्रियता और हमारे अध्यक्ष श्री अमित शाह की अचूक रणनीति रही है। 2015 में जो सदस्यता अभियान चला था और उसके परिणाम स्वरूप इस बार चुनाव में हर बूथ पर हमारे सदस्य उपस्थित थे। उन्होंने याद दिलाया कि गुरूवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने शानदार सफलता अर्जित की है, लेकिन इसका सर्वोच्च अभी आना बाकी है। श्री चौहान ने उन्होंने कहा कि सरकार का मूल सबका साथ-सबका विकास और संगठन का मूल सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी भाजपा है और इसलिए हम इस विशेष सदस्यता अभियान को जिसे संगठन पर्व का नाम दिया गया है, उसे सभी बूथों पर चलायेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे युवा वर्ग में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति एक लगाव है, जुनून है तथा वह उनसे दिल से जुड़ा हुआ है और इसलिए पार्टी हर युवा को सदस्यता देगी। इसके अलावा समाज के प्रतिष्ठित लोगों को भी सदस्य बनाने का काम किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 13 जून को भारतीय जनता पार्टी ने श्री चौहान को राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का संगठन प्रमुख बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के देश भर में 11 करोड़ सदस्य हैं और हम लोगों को न्यूनतम 20% सदस्य और बढ़ाने हैं। इस हिसाब से हमारा टार्गेट 2 करोड़ 20 लाख है। लेकिन यह टार्गेट अंतिम नहीं है, कई राज्यों में हम 20% की सीमा से भी ज्यादा सदस्य बनाएंगे। इसकी रणनीति और रूपरेखा हमने बनाई है। श्री चौहान ने बताया कि यूं तो यह अभियान देश भर में चलेगा लेकिन कुछ राज्यों जैसे बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कश्मीर घाटी, ओडिशा, पुदुचेरी, लक्षद्वीप, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों में यह अभियान विशेष रूप से चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भाजपा अपने विशेष सदस्यता अभियान को स्वर्गीय श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर 6 जुलाई से शुरू करने जा रही है। 16 से 31 अगस्त तक सक्रिय सदस्य बनाने का काम होगा। ■

भाजपा में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक और 12 पार्षद

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पश्चिम बंगाल के प्रभारी श्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में 18 जून को तृणमूल कांग्रेस के विधायक श्री विश्वजीत दास और टीएमसी के ही 12 निगम पार्षदों- श्री दिलीप कुमार मजुमदार, श्री अभिजित कपूरिया, श्री कार्तिक मंडल, श्रीमती दीप्ती सरकार, श्री दीपेंदु बिकाश बैरागी, श्रीमती शम्पा मोहंता, श्री मंतोष नाथ, श्री शुभेंदु मिस्त्री, श्रीमती गीता दास, श्रीमती सोमंजना मुखर्जी, श्रीमती सुमति पोद्दार और श्रीमती हिमाद्री मंडल ने अपने कई समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसके अतिरिक्त, कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता श्री प्रदीप बनर्जी ने भी अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीति एवं नेतृत्व में अटूट आस्था व्यक्त करते हुए श्री विश्वजीत दास ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की 'पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉरमेंस' की नीति में उनका गहरा विश्वास है। श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुआई में देश विकास के रास्ते पर चल पड़ा है, अब बारी है पश्चिम बंगाल को सोनार बंगाल बनाने की और यह भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में ही संभव है। ■

टीडीपी के चार राज्यसभा सदस्य भाजपा में हुए शामिल

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की उपस्थिति में तेलुगू देशम पार्टी के चार राज्यसभा सदस्यों ने 20 जून को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली। उन्होंने कहा कि इन चारों सदस्यों सर्वश्री वाई एस चौधरी, टीजी वेंकेटेश, जी मोहन राव और सीएम रमेश ने देश की प्रगति और आंध्र प्रदेश के विकास का हिस्सा बनने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता विधिवत स्वीकार की है और पार्टी ने इसकी स्वीकृति दी है।

कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि जिस तरह से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में चहुंमुखी प्रगति हो रही है और माननीय अध्यक्ष श्री अमित शाह की अगुआई में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में मजबूती आई है, जिससे प्रभावित होकर इन चारों महानुभावों ने पार्टी में सम्मिलित होने का मन बनाया। इन चार माननीय राज्यसभा सदस्यों ने मिलकर राज्यसभा के सभापति श्री एम. वेंकैया नायडू को अपनी पार्टी के इस समूह के भारतीय जनता पार्टी मे विधिवत विलय के अनुरोध की सूचना दी और भारतीय जनता पार्टी ने भी उनके इस विलय की स्वीकृति का पत्र माननीय सभापति जी को दिया। कार्यकारी अध्यक्ष जी ने कहा कि इन महानुभावों के सम्मिलित होने से आंध्र प्रदेश का विकास होगा और पार्टी को वहां मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री थावर चंद गहलोत ने चारो माननीय सदस्यों को पुष्प गुच्छ भेट किया जबकि श्री नड्डा जी ने उन्हें पार्टी का पटका पहनाया।

इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य वाईएस चौधरी ने कहा कि देश की जनता के झुकाव को देखते हुए हमने इस महान देश तथा आंध्र प्रदेश के विकास के लिए काम करने का फैसला किया है। उक्त कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सदस्य श्री भूपेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख श्री अनिल बलूनी ने कार्यकारी अध्यक्ष का स्वागत किया। ■

ओम बिरला बने नये लोकसभा अध्यक्ष

भाजपा सांसद और राजग उम्मीदवार श्री ओम बिरला को 19 जून को सर्वसम्मति से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गये और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव को सदन द्वारा ध्वनिमत से स्वीकार किये जाने के बाद कार्यवाहक अध्यक्ष श्री वीरेंद्र कुमार ने बिरला के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन की घोषणा की।

श्री बिरला के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन के लिए प्रधानमंत्री के अलावा गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, शिवसेना के श्री अरविंद सावंत, बीजद के श्री पिनाकी मिश्रा, अकाली दल के श्री सुखबीर बादल, जदयू के श्री राजीव रंजन, केंद्रीय मंत्री श्री डीवी सदानंद गौड़ा, श्री प्रहलाद जोशी, कांग्रेस के श्री अधीर रंजन चौधरी, द्रमुक के श्री टी आर बालू और तृणमूल कांग्रेस के श्री सुदीप बंदोपाध्याय ने प्रस्ताव रखे। उनके पक्ष में कुल 13 प्रस्ताव पेश रखे गये।

इन प्रस्तावों का क्रमशः केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, श्री रमेश पोखरियाल निशंक, शिवसेना के श्री विनायक राउत, बीजद के श्री अच्युतानंद सामंत, लोजपा के श्री चिराग पासवान, अपना दल की सुश्री अनुप्रिया पटेल, वाईएसआर कांग्रेस के श्री पी वी मिथुन रेड्डी, अन्नाद्रमुक के श्री पी रवींद्रनाथ कुमार, द्रमुक के श्री टी आर बालू, कांग्रेस के श्री अधीर रंजन चौधरी और तेलंगाना राष्ट्र समिति के श्री नामा नागेश्वर राव ने समर्थन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और विपक्ष ने सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष को तहे दिल से सहयोग देने का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वह वर्षों के अपनी सामाजिक संवेदना भरे जीवन के कारण सदन का सुगमता से संचालन कर पाएंगे। उन्होंने गुजरात में आए 2011 के भूकंप और 2013 में उत्तराखंड में भीषण बाढ़ सहित देश के विभिन्न भागों में बिरला द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों को याद किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बिरला को अध्यक्ष के नाते सभी को अनुशासित और अनुप्रेरित करने तथा सत्तापक्ष को भी नियमों की अवहेलना पर टोकने का अधिकार होगा। प्रधानमंत्री ने उन्हें विश्वास दिलाया कि सरकार उनके कामकाज को सरल बनाने में शत-प्रतिशत योगदान देगी।

श्री मोदी ने कहा कि बिरला छात्र राजनीति से यहां तक पहुंचे हैं और उन्होंने जन आंदोलन से ज्यादा ध्यान जनसेवा पर केंद्रित रखा है। उन्होंने राजस्थान विधानसभा में सक्रिय भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''बिरला सार्वजनिक जीवन में विद्यार्थी काल में छात्र संगठनों से जुड़ते हुए जीवन के सर्वाधिक उत्तम समय में किसी भी विराम के बिना समाज की किसी न किसी गतिविधि से जुड़े रहे।''

श्री बिरला ने पदभार संभालने के बाद कहा कि वह निष्पक्षता के साथ सदन चलाएंगे और कम संख्या वाले दलों को भी पर्याप्त समय दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार से ज्यादा जवाबदेही और पारदर्शिता की अपेक्षा है।

पदभार ग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मंत्रिपरिषद के सदस्यों और सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी निष्पक्ष होनी चाहिए और निष्पक्ष दिखनी भी चाहिए। श्री बिरला ने सदस्यों से कहा कि वे केंद्र सरकार से जुड़े मुद्दे विशेषकर बुनियादी मुद्दे उठाएं क्योंकि कई बार ऐसा होता है कि सदस्य ऐसे मुद्दे उठाते हैं जिनका केंद्र सरकार से कोई संबंध नहीं होता है। ■

जीवन– परिचय

- श्री ओम कृष्ण बिरला, राजस्थान के कोटा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से 2019 में दूसरी बार सांसद।
- पिताजी : श्री श्रीकृष्ण बिरला
- माताजी : स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी
- जन्म स्थान : कोटा (राजस्थान)

- शैक्षणिक योग्यता : स्नातकोत्तर (वाणिज्य)
- 2003, 2008 व 2013 में राजस्थान विधानसभा के सदस्य।
- वर्ष 2004 से 2008 तक राजस्थान सरकार में संसदीय सचिव।
- वर्ष 2014 में कोटा लोकसभा क्षेत्र से सांसद।
- विभिन्न स्वयंसेवी, सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से कैंसर रोगियों व थैलीसीमियां पीड़ितों की मदद।
- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय जनता युवा मोर्चा, (लगातार 6 वर्ष तक)
- प्रदेशाध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा राजस्थान प्रदेश (लगातार 6 वर्ष तक)
- जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा, कोटा (4 वर्ष)
- वाईस चेयरमैन, राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लि. नई दिल्ली
- चेयरमैन, राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लि. जयपुर।
- डायरेक्टर, नेशनल कोल इंडिया लि. नई दिल्ली।
- छात्रसंघ अध्यक्ष, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुमानपुरा, कोटा।

मई, 2019 के दौरान महंगाई में भारी कमी

थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर 2.45 प्रतिशत

मासिक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मई, 2019 के दौरान (मई, 2018 की तुलना में) 2.45 प्रतिशत रही, जबकि इससे पिछले महीने यह 3.07 प्रतिशत थी। इस तरह मई, 2019 के दौरान महंगाई में भारी कमी दर्ज की गई। वहीं, पिछले वर्ष के इसी महीने में यह 4.78 प्रतिशत रही थी। वित्त वर्ष में अब तक क्रमिक वृद्धि के साथ मुद्रास्फीति की दर 1.08 प्रतिशत आंकी गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में क्रमिक वृद्धि के साथ मुद्रास्फीति या महंगाई दर 1.72 प्रतिशत थी।

'खाद्य उत्पाद' समूह का सूचकांक पिछले महीने के 150.1 अंक पर अपरिवर्तित रहा। इस दौरान पान के पत्ते (5%), फल एवं सब्जियों (2%) और चाय एवं गेहूं (प्रत्येक 1 प्रतिशत) के दाम घट गए। वहीं, इस दौरान समुद्री मछली (7 प्रतिशत), अरहर (5 प्रतिशत), उड़द, मटर/चावली एवं बाजरा (प्रत्येक 4%), अंडे (3 प्रतिशत), मसूर एवं मूंग (प्रत्येक 2 प्रतिशत) और जौ, चना, रागी एवं अंतर्देशीय मछली (प्रत्येक 1%) के दाम बढ़ गए।

'अखाद्य पदार्थों' के समूह का सूचकांक पिछले महीने के 126.7 अंक (अनंतिम) से 0.9 प्रतिशत बढ़कर मई, 2019 में 127.8 अंक (अनंतिम) रह गया। ऐसा पुष्पकृषि एवं कुसुम (कार्डी बीज) (प्रत्येक 6%), कच्चे रबर एवं मूंगफली बीज (प्रत्येक 4%), अलसी का बीज (3 प्रतिशत), कच्चे जूट, मेस्ता, पशु चारा, कपास के बीज, सूरजमुखी, कच्चे रेशम एवं सरसों के बीज (प्रत्येक 1 प्रतिशत) के दाम बढ़ने के कारण हुआ। उधर, कोपरा (नारियल) (3 प्रतिशत), सोयाबीन एवं कॉयर फाइबर (प्रत्येक 2 प्रतिशत) और तिल के बीज, नाइजर सीड एवं ग्वार के बीज (प्रत्येक 1%) के दाम घट गए।

'खाद्य उत्पादों के विनिर्माण' समूह का सूचकांक पिछले महीने के 128.7 अंक (अनंतिम) से 0.4 प्रतिशत बढ़कर 129.2 अंक (अनंतिम) हो गया। ऐसा मूंगफली के तेल (5 प्रतिशत), गुड़, वनस्पति एवं नूडल्स के विनिर्माण (प्रत्येक 4 प्रतिशत) और खोई, गुड़ एवं मिल्क पाउडर (प्रत्येक 3 प्रतिशत) के दाम बढ़ने के कारण हुआ। ■

2014 से 2019 के दौरान शहरी कायाकल्प हेतु 10.31 लाख करोड़ रुपये का निवेश

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए प्रमुख मिशनों और कार्यक्रमों के कारण शहरों का शानदार कायाकल्प हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) कायाकल्प और शहरी बदलाव के लिए अटल मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन न केवल देश के शहरी परिदृश्य में बदलाव ला रहे हैं, बल्कि नागरिकों के जीवनयापन को भी सरल बनाने का काम सुनिश्चित कर रहे हैं। वर्ष 2004 -2014 के दौरान किए गए कुल 1.57 लाख करोड़ रुपये के समग्र निवेश की तुलना में 2014 से 2019 के दौरान शहरी कायाकल्प में निवेश 10.31 लाख करोड़ रुपये हुआ, जो 554 प्रतिशत बढ़ोतरी को दर्शाता है। पीएमएवाई (यू), अमृत और एससीएम में लगभग 8 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा लागू किए जा रहे मिशन अपने लक्ष्य और समय-सीमा से आगे चल रहे है। शहरों के लिए यह बदलाव और प्रभाव आने वाले वर्षों में जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत कुल 4.83 लाख करोड़ रुपये के निवेश से 81 लाख से भी अधिक घरों के निर्माण की स्वीकृति से देश की शहरी गरीब आबादी के बड़े तबकों के लिए छत उपलब्ध कराने के उद्देश्य को पूरा करने में मदद मिली है। इनमें से 48 लाख घर निर्माण के विभिन्न चरणों में है। 26 लाख घर पूरा होने के बाद सौंप दिए गए हैं। वर्ष 2022 तक सभी को घर उपलब्ध कराने के मिशन लक्ष्य समय और निर्धारित लक्ष्य से आगे हैं। 13 लाख से अधिक घरों के निर्माण में नई प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। 1.26 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता निर्धारित की गई है, जिसमें से 51 हजार करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक उपाय के रूप में घरों को महिला के नाम पर या संयुक्त स्वामित्व में उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की क्रेडिट से जुड़ी सब्सिडी योजना के तहत 18 लाख प्रतिवर्ष तक की आय के मध्यम आय वर्ग के परिवारों को पहली बार घरों के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। घर के कारपेट एरिया को बढ़ाकर 200 वर्ग मीटर कर दिया गया है। 2005-2019 के दौरान सीएलएसएस के तहत 6.32 लाख से अधिक लोगों ने इससे लाभ उठाया है। ■

सरकार ने ईएसआई अंशदान की दर 6.5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत की

भारत सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) कानून के अंतर्गत एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अंशदान की दर 6.5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत (नियोक्ता का अंशदान 4.75 प्रतिशत से घटाकर 3.25 प्रतिशत और कर्मचारी का अंशदान 1.75 प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत) करने का फैसला किया। घटी हुई दरें 01.07.2019 से प्रभावी होंगी। इससे 3.6 करोड़ कर्मचारी और 12.85 लाख नियोक्ता लाभांवित होंगे।

अंशदान की घटी हुई दर से कामगारों को बहुत राहत मिलेगी तथा इससे और अधिक कामगारों को ईएसआई योजना के अंतर्गत नामांकित कर पाना तथा ज्यादा से ज्यादा श्रमिक बल को औपचारिक क्षेत्र के अंतर्गत लाना सुगम हो सकेगा।

इसी तरह अंशदान में नियोक्ता के हिस्से में कमी होने से प्रतिष्ठानों का वित्तीय उत्तरदायित्व घटेगा, जिससे इन प्रतिष्ठानों की व्यावहारिकता में सुधार होगा। इससे कारोबार करने की सुगमता में और भी ज्यादा बढ़ोत्तरी होगी। ऐसी भी संभावना है कि ईएसआई अंशदान की दर में कटौती से कानून के बेहतर अनुपालन का मार्ग प्रशस्त होगा।

गौरतलब है कि कर्मचारी राज्य बीमा कानून, 1948 (ईएसआई कानून) इस कानून के अंतर्गत बीमित व्यक्तियों को चिकित्सा, नकदी, मातृत्व, निःशक्तता और आश्रित होने के लाभ प्रदान करता है। ईएसआई कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा प्रशासित है। ईएसआई कानून के अंतर्गत उपलब्ध कराए जाने वाले लाभ नियोक्ताओं और कर्मचारियों द्वारा किए गए अंशदान के माध्यम से वित्त पोषित होते हैं।

ईएसआई कानून के अंतर्गत नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ही अपना-अपना योगदान देते हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय के जरिये सरकार ईएसआई कानून के अंतर्गत अंशदान की दर तय करती है। वर्तमान में अंशदान की दर वेतन का 6.5 प्रतिशत निर्धारित, जिसमें नियोक्ता का अंशदान 4.75 प्रतिशत और कर्मचारी का अंशदान 1.75 प्रतिशत है। यह दर 1.1.1997 से प्रचलन में है।

सरकार ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज अधिक से अधिक लोगों को देने के लिए दिसंबर, 2016 से जून, 2017 तक नियोक्ता और कर्मचारियों के विशेष पंजीकरण का कार्यक्रम शुरू किया और योजना का करवेज लाभ विभिन्न चरणों में देश के सभी जिलों तक बढ़ाने का फैसला किया। कवरेज में वेतन की सीमा 1.1.2017 से 15,000 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 21,000 रुपये प्रति माह कर दी गई।

इन प्रयासों से पंजीकृत कर्मचारियों यानी बीमित व्यक्तियों और कर्मचारियों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई और ईएसआईसी की आमदनी में जबरदस्त उछाल आया।

वर्ष	कर्मचारियों की संख्या	बीमित व्यक्तियों की संख्या (करोड़ में)	प्राप्त कुल अंशदान (करोड़ रुपये में)
2015-16	7,83,786	2.1	11,455
2016-17	8,98,138	3.1	13,662
2017-18	10,33,730	3.4	20,077
2018-19	12,85,392	3.6	22,279

साथ ही, सरकार कर्मचारियों के साथ-साथ नियोक्ताओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और वह ईएसआई योजना के अंतर्गत प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं और अन्य लाभों की गुणवत्ता में सुधार के लिए भी प्रतिबद्ध है। ■

कमल संदेश अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

समृद्धि की मर्यादा

दीनदयाल उपाध्याय

गतांक का शेष ...

भविष्य पुराण में लिखा है कि यह समाज एक ही पिता, प्रजापति, ब्रह्मा या विराट् ने बनाया है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र एक ही शरीर के विभिन्न अंग हैं। कर्तव्य और कर्म, बेशक अलग-अलग होते हैं। पैर यदि सर से कहने लगे कि महाराज, जरा चलकर बताओ, तो इससे काम बिगड़ जाता है। वास्तव में यह समाज शरीर तो आत्मीयता के आधार पर खड़ा है। सर को पगड़ी पहनाते हैं तो पैरों की पूजा भी होती है। भगवान् की चरण रज से तो अहल्या का उद्धार हो गया। हमने तो उनके चरणों की पूजा की है। सर की नहीं। लाठी सर पर ही पड़ती है, मुकुट पहनकर सर पैरों को चिढ़ाए तो वह भी ग़लत होगा। अतः यह भेद नहीं। व्यवस्था है, बंधन नहीं। छोटे-बड़े का प्रश्न ही नहीं उठता है। जीवन धारण करने के लिए अर्थ पैदा करना पड़ता है, इसीलिए यह व्यवस्था है।

अंग्रेजों ने अपनी अर्थनीति द्वारा यहां की परंपराओं में मैनचेस्टर के कारख़ाने चलाकर बिगाड़ उत्पन्न किया। कारीगरों के हाथ कटवा लिए। उनका धंधा छीना गया। बाक़ी लोग तो नौकरी करने लगे। शूद्रों ने सोचा कि हमारा धंधा छीनने का कारण अंग्रेज़ नहीं, ये बड़े लोग हैं। अंग्रेजों ने भी यही प्रचार किया। हमें मौक़ा दिया तो उन्होंने शोषण कर दिया। यह व्यवस्था इस दृष्टिकोण को लेकर चलती है कि सबको मेहनत का अधिकार है। प्रतिदान के रूप में कुछ प्राप्त होता है तो किसी को स्वयं को छोटा समझने का कोई कारण नहीं।

रोज़ी का विचार तो हो गया, अब रोटी की व्यवस्था हमारे यहां अलग है। काम करना अपना धर्म है। बदले में अर्थ मिलता ही है, रोटी का उससे कोई संबंध नहीं है। वह व्यवस्था तो भगवान् के हाथ में है। पैदा हुए हैं तो रोटी मिलेगी ही। दांत नहीं थे तो उसने दूध दिया और जब दांत दिए हैं तो रोटी भी देगा। इसी बात के अनुसार समाज को व्यवस्था करनी पड़ती है। कुटुंब पद्धति इसी व्यवस्था का परिणाम है। रोगी और अपाहिज को कौन रोटी देगा? कमाने के लिए तो जीवन में मुश्किल से पच्चीस-तीस वर्ष मिलते हैं। पश्चिम में इसके लिए यांत्रिक ढंग से व्यवस्था है। वृद्धावस्था, बीमारी, रोजगार, बीमा आदि की व्यवस्था करते हैं। यहां पर यह जिम्मेदारी कुटुंब पर है। यतीमखानों के लिए हमारी जीवन व्यवस्था में कोई स्थान नहीं है। पिता मर गया तो कुटुंब संभाल करता है। इसी आधार पर हमने सोचा कि बूढ़े पिता को खिलाएगा कौन? इसका संबंध उसके काम करने या न करने से नहीं। रोटी और रोजी-ये दो अलग-अलग क्षेत्र हैं। जो बेकार हैं, उसे भी कुटुंब रोटी देगा। घर के सब लोग इस आत्मीयता के आधार पर ही खड़े होंगे तो अर्थव्यवस्था का मूलाधार प्राप्त हो जाएगा। यह बात समाजशास्त्र में भी आई है। यह विषय अर्थशास्त्र से ही नहीं तो सामाजिकता से भी संबंध रखता है।

अर्थ पुरुषार्थ के साथ राज्य भी आता है। वार्ता और दंडनीति, यह अर्थशास्त्र का विषय है। वार्तामूलेयं जगत्'। लोक और वार्ता की चिंता राजा को करनी चाहिए। यह राजा भी कहां से और कैसे आया? पहले दंड नहीं था, दांडिक नहीं था। धर्म के आधार पर समाज चलता था। जब राजा को मोह आया, तो काम प्रबल हुआ। फिर बुद्धि भेद आया तो धर्म का लोप हो गया। मत्स्य न्याय का दृश्य खड़ा हो गया। तब ऋषि लोग मनु के पास गए और प्रार्थना की कि आप दंडधर बनिए। उन्होंने कहा कि उसमें लोगों को सताना पड़ेगा। अतः मैं नहीं बनूंगा। तब बताया गया, राजा बनने के कारण प्रजा के पुण्यों के भी आप भागी होंगे। विचार करके देखा जाए तो राजा समाज के लिए आवश्यक है। प्रजा को दबाकर रखेंगा इस दृष्टि से नहीं, तो धर्म का पालन करने के लिए होता है। संपूर्ण इतिहास में जब-जब भी राज्य क्रांतियां हुईं, तो इसी कारण कि राजा ने धर्म का पालन नहीं किया और फिर धर्म में निष्ठा रखने वाले साधु-महात्माओं की प्रेरणा से ये क्रांतिकारी खड़े हुए। दुर्योधन को युधिष्ठिर ने हराया तो कृष्ण की प्रेरणा थी। भगवान् राम ने रावण को केवल सीता-अपहरण के कारण नहीं मारा तो यह भी ऋषि-मुनियों की योजना थी। चाणक्य की प्रेरणा से नंद वंश का उच्छेद और धर्म प्रतिष्ठापना के लिए चंद्रगुप्त खड़ा हुआ। विजयनगर साम्राज्य के पीछे विद्यारण्य स्वामी की प्रेरणा थी। शिवाजी भी समर्थ गुरु रामदास की योजना से ही खड़े हुए। ये लोग राज्य करने को नहीं, धर्म की प्रतिष्ठा के लिए अग्रसर हुए थे। जिसने राज्य के लिए राज्य किया, वह जनमानस में अच्छा नहीं समझा गया। धर्म को सर्वोपरि स्थान दिया जाता है।

पश्चिम में राजा ही मालिक होता है। गणतंत्र के अनुसार यह प्रभुता या सर्वोच्च सत्ता जनता के पास होती है। हमने कहा, 'प्रभुता न राजा के पास होती है और न जनता के पास, बल्कि धर्म के पास होती है।' धर्म के अनुसार चलने वाली प्रजा को राजा दंड नहीं दे सकता और प्रजा भी मनमानी नहीं कर सकती। चालीस चोरों ने एक कोतवाल को चुन लिया तो काम नहीं चलेगा। जैसे चोरों को कोतवाल चुनने का अधिकार नहीं होता, उसी प्रकार कोतवाल को भी ईमानदारों को दंड देने का अधिकार नहीं। धर्म की स्थापना करने के लिए ऋषि-मुनियों ने राजा वेन को हराकर उसी की जंघा से रगड़कर पृथु पैदा किया। उसी के नाम पर पृथ्वी बनी। हमारे यहां राज्याभिषेक के समय एक पद्धति है-राजा जब गद्दी पर बैठता है तो तीन बार 'अदण्ड्योऽस्मि' कहता है, तब राजपुरोहित उसे पलाश दंड से मारता हुआ कहता है

कि 'धर्मदण्ड्योऽसि'। यदि राजा विष्णु का अवतार है तो जनता भी जनार्दन का स्वरूप है।

यह मूल चीज़ हमने समझ ली तो बाक़ी दैनिक जीवन की बातें तो अपने आप कर लेंगे। उत्पादन, अर्थ, भोग-ये धर्म के अंतर्गत आते हैं। यह धर्म ही आधारभूत पुरुषार्थ हैं। उसी का चिंतन और प्रतिष्ठापन संस्कारों द्वारा करते हुए स्वजीवन में लाने की आवश्यकता है। संघ ने कहा कि हमें इसी धर्म का संरक्षण करना है। महाभारत में व्यास ने सार स्वरूप एक ही बात कही है

वदेषां धर्म सर्वस्व कृत्वा चैवाव धर्मताम्।
आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्॥

तात्पर्य यह है कि धर्म के साथ दूसरों के साथ आत्मीयता का भाव आ जाता है। अपने से प्रतिकूल किससे व्यवहार नहीं करना पड़ता है। सहिष्णुता सेवा, त्याग सब आत्मीयता से उत्पन्न होते हैं।

धर्म के दस लक्षण

धृतिः क्षमा-दमोस्तेयं शौचमिन्द्रिय-निग्रहै।
धीविद्या सत्यमक्रोधः दशकं धर्म लक्षणः॥

इसी आत्मीयता में से पैदा होते हैं। जहां मैं का विचार होता है और व्यक्ति स्वार्थ प्रधान होता है, वहां अधर्म होता है। (एक सज्जन के यहां पूरियां बनने का दृष्टांत शुद्ध देसी घी का प्रयोग) सज्जन ने कहा कि घी अपनी ही दुकान का होने के कारण शुद्ध है। मैंने कहा कि शेष चीजें तो अशुद्ध हैं। आटा, मसाले, वगैरह में मिलावट है। एक चीज़ शुद्ध खाने के लिए बाक़ी चीजें अशुद्ध खानी पड़ती हैं। अतः अपने से प्रतिकूल विचार भी नहीं करना चाहिए। भगवान् ने दूसरों को भी मुंह दिया है। जब हमें मिलावट पसंद नहीं तो दूसरों को भी नहीं होगी। इसी विचार में धर्म का आधार है।

राष्ट्र के साथ आत्मीयता के आधार पर हम विचार करें, यही मूल तत्त्व है। आत्मीयता पैदा कर लेना संस्कारों में आता है। परिवार और पड़ोस के साथ-साथ मन में संस्कार हैं, तो संपूर्ण समाज के साथ एक एकात्मता का अनुभव कर सकते हैं। हम थोड़ा सा ज्ञान और बुद्धि के साथ विचार करें कि राष्ट्र के साथ एकात्मता चाहिए। राष्ट्र के लिए सोचना चाहिए, विचार को लेकर खड़े होते ही कुछ चिंताएं करनी पड़ेगी। उपनिषद् में एक कथा आती है, जिसमें प्राणेंद्रिय का अन्य इंद्रियों के मुक़ाबले में सबसे अधिक महत्त्व सिद्ध होता है। प्राण अर्थात् धर्म, यही राष्ट्रभाव है। समाज का प्राण हमारा प्राण है, यह ध्यान रहा तो सब ठीक चलेगा।

संघ के जन्मदाता ने सोचा कि राष्ट्र में यही प्राण फेंकना है। विभिन्न समस्याओं को देखकर जाति-पांति तोड़क मंडल बनाया, किसी ने वर्णाश्रम संघ बनाया। हम विचार करें कि जाति तो हमारे समाज शरीर का अंग है। अतः हाथ-पैर तोडक मंडल तो नहीं बनाया जा सकता और केवल विज्ञान के किसी सिद्धांत को सिद्ध कर देने से भी काम नहीं चलता। यदि पेड़ में फूल आ गया तो फिर क्या सोचना? परंतु लोग इसके लिए भी आयोजन करते हैं कि किस स्थान पर कितने फूल आएंगे-उसके लिए कमीशन बैठाते हैं। जो अंग बेकार होता है, वह पतझड़ में अपने आप टूट जाता है। उसके बारे में योजना बनाना आवश्यक नहीं होता। रूढ़ियां जो उपयोगी नहीं हैं, अपने आप समाप्त हो जाती हैं। शरीर में से अनेक बाल उड़ जाते हैं और नए आ जाते हैं। सांप अपनी केंचुली उतारकर फेंक देता है, उसके लिए योजना नहीं करता। मुख्य भाव तो जीवन और धर्म का है। राष्ट्र में प्राण पैदा करना ही अपना काम है। प्राण को बलवान करने के लिए प्राणायाम करना पड़ता है। संपूर्ण राष्ट्र का प्राणायाम यह संघ दिन-प्रतिदिन शाखा के रूप में करता है।

छोटी-छोटी चीजों में भी राष्ट्रभाव दिख सकता है। यदि इसके पीछे शक्ति और स्वाभिमान भरकर चैतन्ययुक्त सामर्थ्य रूप में बना दिया, तो प्रत्येक अंग को शक्तिसंपन्न बनाकर कार्य कर सकेंगे। फिर इधर-उधर की चिंता करने की आवश्यकता नहीं। यह धर्मभाव ही राष्ट्रभाव है, राष्ट्रप्राण है, प्राणायाम की महत्ता को समझकर हम संपूर्ण शक्ति लगाएं। अन्य चीजें तो अपने आप प्राप्त हो जाएंगी।

लोग कहते हैं, संघ कम-से-कम घी की एक दुकान तो खोल दे, अथवा स्कूलों में बड़ी गड़बड़ी है, अपने अध्यापक भेज दें। आजकल कम्युनिस्ट साहित्य बहुत आता है, उसको रोक दे। राजनीति में कूटकर सब ठीक कर दे। अमरीका से अन्न मंगाना पड़ता है। स्वयंसेवकों को थल सेना के रूप में खड़े हो जाना चाहिए। एक बार आत्मनिर्भर हो गए तो सब ठीक हो जाएगा। उनको लद्दाख के क्षेत्र में जाकर चीन का मुक़ाबला करना चाहिए। अपने मन में यह बस आता होगा। यदि हम जाएं तो फिर क्या सेना को ख़त्म कर देना चाहिए? व्यापारियों को निवारक निरोध के अंतर्गत जेल भेज दें। अध्यापकों को घर बैठा दें? यह सब करने के लिए उतने स्वयंसेवक भी तो चाहिए। काम तो राष्ट्र को ही करना पड़ेगा। व्यापारी, सैनिक, राज्यकर्ता यह सब राष्ट्र भाव से काम करें-संघ किसी दल के रूप में तो नहीं है। हाथ-पैर को ताक़त देने से नहीं, राष्ट्र को ताक़त देने से काम चलेगा। राष्ट्र के तो हजारों अंग हैं। छोटी-छोटी चीजों में भी राष्ट्रभाव दिख सकता है। यदि इसके पीछे शक्ति और स्वाभिमान भरकर चैतन्ययुक्त सामर्थ्य रूप में बना दिया, तो प्रत्येक अंग को शक्तिसंपन्न बनाकर कार्य कर सकेंगे। फिर इधर-उधर की चिंता करने की आवश्यकता नहीं। यह धर्मभाव ही राष्ट्रभाव है, राष्ट्रप्राण है, प्राणायाम की महत्ता को समझकर हम संपूर्ण शक्ति लगाएं। अन्य चीजें तो अपने आप प्राप्त हो जाएंगी। ■

समाप्त

(संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्गः नई दिल्ली)

(-पाञ्चजन्य, -जून 11, 1960)

महान् शिक्षाविद, प्रखर देशभक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

(6 जुलाई, 1901– 23 जून, 1953)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान् शिक्षाविद, चिन्तक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। भारतवर्ष की जनता उन्हें एक प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में जानती है। देश के करोड़ों लोगों के मन में उनकी एक निरभिमानी, देशभक्त की छबि अंकित है। वे आज भी बुद्धजीवियों और मनीषियों के आदर्श हैं। वे अब भी लाखों भारतवासियों के मन में एक पथप्रदर्शक एवं प्रेरणापुंज के रूप में समाए हुए हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक अनुभवी राजनीतिज्ञ थे। उनके ज्ञान, प्रतिभा और स्पष्टवादिता के कारण उनके मित्र और शत्रु सभी उनका आदर करते थे, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि भारत ने स्वतंत्रता के शुरुआती चरण में ही एक महान सपूत खो दिया।

डॉ. मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई, 1901 को एक प्रसिद्ध बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता सर आशुतोष बंगाल के एक जाने-माने व्यक्ति थे। डॉ. मुखर्जी ने कलकत्ता से स्नातक डिग्री प्राप्त की। वे 1923 में सीनेट के सदस्य (फैलो) बन गये। उन्होंने अपने पिता की मृत्यु के बाद सन् 1924 में कलकत्ता उच्च न्यायालय में एडवोकेट के रूप में नाम दर्ज कराया। बाद में, वे सन् 1926 में 'लिंकन्स इन' में अध्ययन करने के लिए इंग्लैंड चले गए और 1927 में बैरिस्टर बन गए।

वे तैंतीस वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय में विश्व के सबसे कम उम्र के कुलपति बने और सन् 1938 तक इस पद पर आसीन रहे। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए कांग्रेसी उम्मीदवार के रूप में बंगाल विधान परिषद् के सदस्य चुने गए, लेकिन उन्होंने अगले वर्ष इस पद से उस समय त्यागपत्र दे दिया, जब कांग्रेस ने विधानमंडल का बहिष्कार कर दिया था। बाद में उन्होंने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुए।

पंडित नेहरू ने उन्हें अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया। डॉ. मुखर्जी ने लियाकत अली खान के साथ दिल्ली समझौते के मुद्दे पर 6 अप्रैल, 1950 को मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। श्री मुखर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरू गोलवलकर जी से परामर्श करने के बाद 21 अक्तूबर, 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की नींव रखी और वे इसके पहले अध्यक्ष बने। सन् 1952 के चुनावों में भारतीय जनसंघ ने संसद की तीन सीटें जीतीं, जिनमें से एक सीट पर श्री मुखर्जी जीतकर आए थे। उन्होंने संसद के भीतर राष्ट्रीय जनतांत्रिक पार्टी बनायी, जिसमें 32 सदस्य लोकसभा तथा 10 सदस्य राज्यसभा से थे।

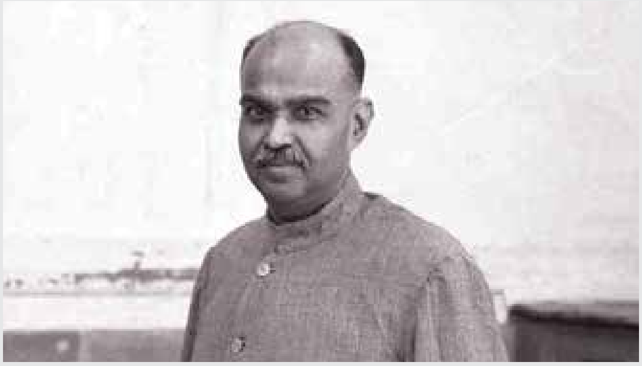

डॉ. मुकर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू-कश्मीर का अलग झंडा था, अलग संविधान था, वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था। डॉ. मुकर्जी ने जोरदार नारा बुलंद किया कि - एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगें।

संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण में डॉ. मुकर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की थी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने संसद में स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर को भारत से काटने की साजिश रची जा रही है। पंडित नेहरू ने डॉ. मुखर्जी पर ही संदेह व्यक्त कर दिया। कोई भी समझौता अथवा रास्ता दिखाई न देने पर डॉ. मुखर्जी ने बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने का फैसला कर लिया। उनकी इस घोषणा में देश की अखंडता के लिए बलिदान देने की उमंग स्पष्ट झलकती थी।

9 मई, 1953 को प्रातः 6.30 बजे डॉ. मुखर्जी रेलगाड़ी से अपने चंद साथियों के साथ जम्मू के लिए रवाना हुए, परंतु जब वे अपने साथियों सहित जम्मू की सीमा रावी नदी के किनारे लखनपुर पहुंचे तो कश्मीर मिलिशिया पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। 23 जून, 1953 को संदिग्ध परिस्थितियों में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मौत हो गई। सच तो यह है कि डॉ. मुखर्जी ने भारत विरोधी, विघटनकारी और पाकिस्तानपरस्त शक्तियों से लोहा लिया। वे भारत मां के मुकुट कश्मीर को पाकिस्तानी शिकंजे में जाने से रोकने में सफल हुए। अखंड भारत के लिए वीरगति प्राप्त करने वाले शहीद डॉ. मुखर्जी ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि भारत की जनता और नेता एकजुट होकर पूरी ताकत से देशद्रोहियों का प्रतिकार करें, तो विदेश प्रेरित शक्तियां अवश्य परास्त होंगी।

नहीं रहे मदन लाल सैनी

(13 जुलाई 1943 – 24 जून 2019)

भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन लाल सैनी का 24 जून को निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली स्थित एम्स में अंतिम सांस ली। उन्हें राजस्थान विधानसभा के चुनाव से पहले 2018 में प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। 76 वर्षीय श्री मदन लाल की पिछले कई दिनों से सेहत खराब थी। उनको दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया, जहां उनका निधन हो गया।

जीवन परिचय

श्री मदन लाल सैनी का जन्म 13 जुलाई 1943 को हुआ था और उन्होंने संघ के स्वंयसेवक के तौर पर काम किया। बी.ए और एल एल बी की शिक्षा प्राप्त करने वाले श्री मदन लाल सैनी भारतीय मजदूर संघ में महामंत्री रहे। इसके अलावा भाजपा किसान मोर्चा में महामंत्री और सरदार पटेल स्मारक में प्रदेश संयोजक रहे।

श्री सैनी भाजपा अनुशासन समिति में चेयरमैन भी रहे। वे 1990 में झुंझुनू के उदयपुरवाटी विधानसभा से विधायक बने। मार्च 2018 में वे राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए और जून 2018 में उन्हें राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

शोक संदेश

राज्यसभा सांसद श्री मदन लाल सैनी जी के निधन के बारे में सुनकर दुःख हुआ। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में वे हमेशा जमीनी स्तर के लोगों के प्रति समर्पित रहे। उनके परिवार व सहयोगियों के प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं।

– **रामनाथ कोविंद,** राष्ट्रपति

मदन लाल सैनी का निधन बीजेपी परिवार के लिए गहरी क्षति है। उन्होंने राजस्थान में पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान दिया। अपने सौहार्दपूर्ण स्वभाव और समुदाय के लिए किए गए कार्यों के लिए उनका व्यापक रूप से सम्मान किया जाता था। उनके परिवार और समर्थकों के साथ मेरी सांत्वना है। ओम शांति!

– **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

भाजपा के वरिष्ठ नेता व राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मदनलाल सैनी जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। संगठन के विभिन्न पदों पर रहे मदन लाल सैनी जी एक सच्चे जनसेवक थे जिनका पूरा जीवन पार्टी और समाज को समर्पित रहा। राजस्थान में भाजपा को मजबूत करने में उनका अहम योगदान रहा।

– **अमित शाह,** भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा में मेरे साथी रहे श्री मदन लाल सैनी जी के पैतृक गांव सीकर में उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मदन लाल सैनी जी संपूर्ण जीवन गरीबों और शोषितों की आवाज बन उनकी सेवा करते रहे। आपका ना रहना भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति है।

– **जगत प्रकाश नड्डा,** भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने श्री सैनी के निधन पर शोक व्यक्त जताते हुए कहा कि राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन लाल सैनी जी के निधन से मैं स्तब्ध हूं। मदनजी एक कुशल संगठनकर्ता होने के साथ सहज एवं सरल व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित थे। शोकाकुल परिवार के प्रति मेरी संवेदना। ईश्वर उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। ओम् शांति!

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री सैनी के निधन पर शोक जताया और कहा कि राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, राज्यसभा सांसद, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री मदन लाल सैनी के आकस्मिक निधन का दुःखद समाचार मिला। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। विनम्र श्रद्धांजलि! ■

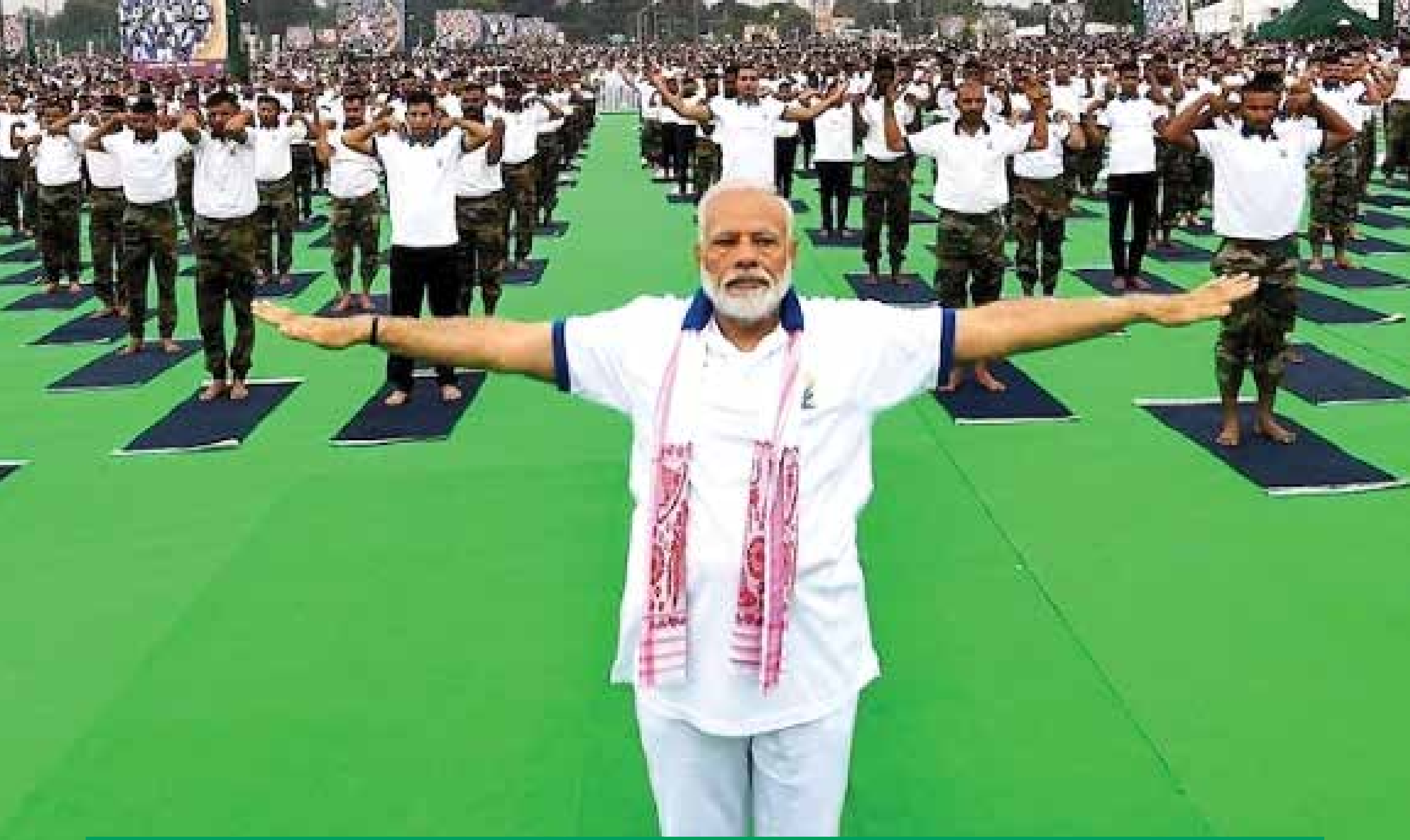

भारत और दुनिया भर के लोगों ने किया योग

शांति, सद्भाव और प्रगति के लिए योगः नरेन्द्र मोदी

पांचवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर 21 जून को भारत के साथ ही दुनिया के कई देशों ने योग किया। संयुक्त राष्ट्र की महासभा से लेकर भारतीय संसद के परिसर और बीजिंग से लेकर रांची तक प्राचीन स्वास्थ्य पद्धति को पसंद करने वाले हजारों लोगों ने "ओम" एवं "शांति" का जाप करते हुए सरल एवं कठिन 'आसन' किए। कई वैश्विक राजधानियों और भारत के नगरों एवं गांवों में योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने श्री मोदी के प्रस्ताव पर 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की स्वीकृति दी थी।

भारत में मुख्य कार्यक्रम झारखंड की राजधानी रांची में हुआ जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रभात तारा मैदान में 40,000 लोगों के साथ कई 'आसन' किए। योगाभ्यास सत्र आरंभ होने के पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, 'हमारा आदर्श वाक्य शांति, सद्भाव और प्रगति के लिए योग होना चाहिए।' इस अवसर पर सभी का अभिवादन करते हुए उन्होंने योग के संदेश का प्रचार प्रसार करने में अहम भूमिका निभाने वाले मीडिया कर्मियों और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे आधुनिक योग के संदेश को शहरों से गांवों तक और गरीब और आदिवासी समुदाय के लोगों के घर तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने योग को बीमारियों से सबसे ज्यादा तकलीफ उठाने वाले गरीब और आदिवासी लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'आज के बदलते समय में हमारा ध्यान रोग से बचाव के साथ ही आरोग्य पर भी होना चाहिए। योग हमें आरोग्य होने की शक्ति प्रदान करता है। योग की मूल भावना और प्राचीन भारतीय दर्शन यही है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'योग का उद्देश्य हमारे द्वारा पार्को और चटाई पर कुछ समय के लिए किये जाने वाले योगाभ्यास भर से पूरा नहीं होता। योग एक अनुशासन और समर्पण है जिसका जीवन भर पालन किया जाना चाहिए।'

उन्होंने योग को आयु, रंग, जाति, सम्प्रदाय, मत, पंथ, अमीरी, गरीबी और देशों की सीमाओं से परे बताते हुए कहा कि योग सबका है और सब योग के हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हम ये कह सकते हैं कि भारत

में योग के प्रति जागरूकता हर कोने तक, हर वर्ग तक पहुंची है- ड्राइंगरूम से बोर्डरूम तक, शहरों के पार्कों से लेकर खेल कम्पलेक्सों तक, गली-कूचों से आरोग्य केन्द्रों तक सब जगह योग ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।'

श्री मोदी ने कहा कि योग प्राचीन और आधुनिक दोनों है। यह निरंतर विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सदियों से, योग का सार एक ही रहा है- स्वस्थ शरीर, स्थिर मन, और एकता की भावना। प्रधानमंत्री ने कहा। उन्होंने कहा कि योग ज्ञान, कर्म और भक्ति का एक आदर्श मिश्रण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब पूरी दुनिया योग को अपना रही है, 'हमें योग के बारे में और अधिक अनुसंधान पर जोर देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि योग को दवाओं, फिजियोथेरेपी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों से जोड़ा जाना चाहिए।

जहां श्री मोदी ने रांची में समारोह की अगुवाई की, वहीं केंद्रीय मंत्रियों ने देश भर में योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने रोहतक के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में राजपथ के हरे-भरे वातावरण में सैकड़ों लोगों के साथ योग किया, वहीं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने नागपुर में योग कार्यक्रम में शिरकत की।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने संसद भवन परिसर में योग दिवस के कार्यक्रमों की अगुवाई की, जहां नवनिर्वाचित सांसदों, केंद्रीय मंत्रियों एवं संसद के स्टाफ समेत करीब 400 लोगों ने योगासन किए।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन के सभागार में योग दिवस कार्यक्रम में शिरकत की। वहीं, उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने ऐतिहासिक लाल किले में योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

सामूहिक योगाभ्यास के नजारे देश के विभिन्न हिस्सों में खुले मैदानों, उद्यानों एवं सभागारों में देखने को मिले। अरूणाचल प्रदेश की दिगारु नदी के पानी में जहां आईटीबीपी के कर्मियों ने आसन किए वहीं हिमालय के बर्फीले हिस्से में बद्रीनाथ के पास वसुंधरा ग्लेशियर में भारतीय सेना के कर्मियों ने योगाभ्यास किया।

जालंधर में सेना की दो श्वान इकाई के सदस्यों ने डोगा (श्वान योग) किया। इसमें श्वानों ने सैन्यकर्मियों के साथ आसन किए। अरुणाचल प्रदेश के लोहितपुर के सीमाई इलाकों में आईटीबीपी की पशु परिवहन इकाई ने अपने घोड़ों पर सवार होकर इसी तरह योग किया और इसे 'होगा' नाम दिया। ■

अमित शाह और जेपी नड्डा ने किया योग

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर के साथ रोहतक में योग किया और कहा कि यह मोदी के प्रयासों की वजह से मुमकिन हो पाया है कि विश्व न सिर्फ योग दिवस मना रहा है बल्कि इसे अपने रोजमर्रा का हिस्सा बना रहा है।

उन्होंने कार्यक्रम के बाद ट्वीट किया, "योग भारत के प्राचीन इतिहास और विविधता का प्रतीक है। यह विश्व को स्वस्थ जीवन की ओर जाने वाला मार्ग दिखा रहा है।"

पं. दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल और कई वरिष्ठ नेताओं ने भी योग किये।

सउदी अरब

बुल्गारिया

वियतनाम

जर्मनी

भूटान

इजराइल

विश्व में पूरे उत्साह से मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

पांचवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को दुनिया के कई देशों ने योग किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस बार योग दिवस अनोखे अंदाज में मनाया गया जहां 'ओम' और 'शांति' का उद्घोष सुनाई दिया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों एवं राजनयिकों ने सैकड़ों अन्य के साथ यह दिन मनाया।

उपमहासचिव अमीना मोहम्मद ने विशाल जनसभा से कहा कि योग का सार संतुलन है, "न सिर्फ अपने भीतर बल्कि मानवता के साथ हमारे संबंध में भी।" संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत सैयद अकबरूद्दीन ने ट्वीट कर कहा कि बाहर बारिश होने के चलते संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में नॉर्थ लॉन में प्रस्तावित कार्यक्रम को महासभा के सभागार में करना पड़ा।

चीन की राजधानी बीजिंग में भारत के राजदूत विक्रम मिस्त्री ने कार्यक्रमों की अगुवाई की जहां चीन में योग करने के इच्छुक लोगों ने शिरकत की। ब्रिटेन में योग को पसंद करने वाले लोगों ने ऐतिहासिक डर्डल डोर पर एक सत्र रख यह दिन मनाया। लंदन में भारतीय उच्चायोग का वार्षिक योग सत्र सेंट पॉल कैथेड्रल में आयोजित किया गया।

वहीं, इजराइल के तेल अवीव के हताचाना परिसर में करीब 400 लोगों ने योगासन किये। इजराइल में भारत के राजदूत पवन कपूर ने सरकार से इसे कार्यक्रमों के वार्षिक कैलेंडर का हिस्सा बनाने पर विचार करने को कहा।

फ्रांस दूतावास के 80 से ज्यादा कर्मियों ने उसके परिसर में योग सत्र में हिस्सा लिया। देश के राजदूत ने कहा कि दूतावास इस प्राचीन अभ्यास का पालन करने के लिए अपने कर्मियों को अच्छा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। ■

योग और आप
मजबूत शरीर, स्वस्थ दिमाग

नरेंद्र मोदी

प्रिय मित्रो,

21 जून, 2019 को दुनिया 5 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बनाने के लिए एक साथ आएगा।

मैं आपसे दो निवेदन करता हूं।

सबसे पहले, योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं।

दूसरा, अपने कार्यालय की टीम के साथ भाग लेकर, योग दिवस को समृद्ध बनाएं।

योगः व्यायाम से ज्यादा

योग केवल व्यायाम करने की एक क्रीड़ा नहीं है।

योग फिटनेस और वेलनेस का एक आसान उपाय है।

यह मन, शरीर और बुद्धि के बीच तालमेल लाते हुए 'मैं' से 'हम' तक की एक यात्रा है। योग हमारे परिवारों, समाज और सभी वनस्पतियों एवं जीवों के बीच एकता की भावना को बढ़ावा देता है, जिनके साथ हम अपने इस सुंदर ग्रह पर निवास करते हैं।

सरल और सुविधाजनक

योग की सुंदरता यह है कि यह सरल और सुविधाजनक दोनों है। योग करने के लिए विस्तृत उपकरण या बड़े मैदान की आवश्यकता नहीं होती है। जरूरत है केवल छोटी—सी खाली जगह, एक चटाई और बहुत सारा परिश्रम। वैसे तो सुबह का समय योगाभ्यास करने उचित माना गया है, लेकिन आप खाली समय के दौरान भी योग का अभ्यास कर सकते हैं। आप चाहें तो हर कुछ घंटों के अंतराल में कोई आसन कर सकते हैं।

योग और आप

आप एक पेशेवर के तौर पर शानदार ऊंचाइयों तक पहुंच गए हैं लेकिन उच्च दबाव वाली नौकरियों में, उच्च तनाव निकटता से आपका अनुसरण करता है। समय सीमाएं, प्रस्तुतियां, भीषण यात्राएं ... आपके मन और शरीर पर एक प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। वहीं भूले नहीं कि आपके ऊपर सबसे अच्छा परिणाम देने के लिए निरंतर दबाव रहता है, ऐसा न हो कि आपके प्रतिद्वंदी आप से आगे बढ़ जाए।

योग और ध्यान इन समस्याओं का रामबाण इलाज है।

जिस क्षण आप योग से हाथ मिलाते है, आप तनाव को अलविदा कह देते हैं।

स्वस्थ शरीर एक मजबूत दिमाग को जन्म देता है

जिन पदों पर आप काम करते हैं, मुझे यकीन है कि आपको कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने होते होंगे, जिनके दूरगामी परिणाम हमारे समाज पर होते है। एक उथल—पुथल भरा दिमाग इन फैसलों को सटीक और स्पष्टता के साथ नहीं ले सकता है और उसके ऊपर एक अस्वस्थ शरीर, यह गठजोड़ विपदा के लिए एक बेहतरीन नुस्खा है।

योग को अपनाने से आपका दिमाग ज्यादा तेज हो जाएगा।

योग बेहतर एकाग्रता, अधिक रचनात्मकता, अधिक बुद्धिमत्ता और तेज अंतर्ज्ञान को जन्म देता है। आप बेहतर निर्णय लेने और सबसे अच्छा प्रभाव छोड़ने में सक्षम होते है।

बैठने की समस्या

कार्यालय में एक ही जगह लंबे समय तक बैठे रहने से कई समस्याएं उत्पन्न होती है, जिनकी सूची बेहद लंबी हैं।

और फिर एक बार इन समस्याओं से निजात पाने के लिए योग से बेहतर कोई उपाय नहीं है। यह आपके बैठने की खराब आदतों के कारण होने वाले संभावित खतरों को कम करता है। कई ऐसे आसन भी हैं, जिनसे आपकी पीठ संबंधी समस्याएं काफी कम हो जाती है।

योग – पारिवारिक संबंध बढ़ाता है

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि पारिवारिक संबंधों को गहरा करने के लिए योग एक अच्छी शुरुआत हो सकती हैं।

व्यस्त दिनचर्या के बीच परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत करना उतना सरल नहीं हो पाता है। ऐसे परिदृश्य में एक परिवार के रूप में एक साथ योग का अभ्यास करने का प्रयास करें। यह निश्चित रूप से परिवार के बीच संबंधों को मजबूती देगा।

योग और खुशी का युग (युग)

यह अविश्वसनीय है कि हजारों साल पहले भारत में शुरू हुआ योग विश्व मंच पर कितना लोकप्रिय हो गया है। योग ने एकता की भावना से आगे बढ़कर खुशी और भाईचारे के एक नए युग का निमार्ण किया है, जो इसकी विशेषता बन गया है।

ऐसी दुनिया में जहां नफरत की विचारधाराएं भाई को भाई से अलग कर सकती हैं, योग एक एकीकृत ताकत के रूप में खड़ा है। ऐसे समय में जहां स्वास्थ्य संबंधी बीमारियां, विशेष रूप से तनाव संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, योग राहत और आनंद दे रहा है।

मुझे विश्वास है कि योग हमारे समाज में खुशी और सद्भाव बढ़ाता रहेगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों को लाभ होगा।

मुझे उम्मीद है कि आप योग को अपनाएंगे। आपको फर्क दिखाई देगा।

मैं विभिन्न आसनों का अभ्यास करते हुए अपने एनिमेटेड वीडियो का एक सेट भी साझा कर रहा हूं। यदि आप सीखना चाहते हैं, तो शुरुआत के लिए यह एक अच्छी सामग्री हो सकती है।

योगाभ्यास के लिए शुभकामनाएं! ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

सरकार मजबूत, सुरक्षित और समावेशी भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 20 जून को सत्रहवीं लोकसभा के पहले सत्र में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। राष्ट्रपति श्री कोविंद ने कहा कि सरकार ने किसान, व्यापारियों समेत समाज के सभी वर्गों के लिये कई अहम फैसले किये और उन पर अमल शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार एक मजबूत, सुरक्षित और समावेशी भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यहां प्रस्तुत है उनके अभिभाषण की प्रमुख बातें:

- देश के 61 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदान कर, एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है और दुनिया में भारत के लोकतंत्र की साख बढ़ाई है।
- इस बार, महिलाओं ने पहले की तुलना में अधिक मतदान किया है और उनकी भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही है। करोड़ों युवाओं ने पहली बार मतदान करके भारत के भविष्य निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- इस लोकसभा में लगभग आधे सांसद पहली बार निर्वाचित हुए हैं। लोकसभा के इतिहास में सबसे बड़ी संख्या में, 78 महिला सांसदों का चुना जाना नए भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है।
- इस चुनाव में देश की जनता ने बहुत ही स्पष्ट जनादेश दिया है। सरकार के पहले कार्यकाल के मूल्यांकन के बाद, देशवासियों ने दूसरी बार और भी मजबूत समर्थन दिया है। ऐसा करके देशवासियों ने वर्ष 2014 से चल रही विकास यात्रा को अबाधित, और तेज गति से आगे बढ़ाने का जनादेश दिया है।
- वर्ष 2014 से पहले देश में जो वातावरण था, उससे सभी देशवासी भली-भांति परिचित हैं। निराशा और अस्थिरता के माहौल से देश को बाहर निकालने के लिए देशवासियों ने तीन दशकों के बाद पूर्ण बहुमत की सरकार चुनी थी। उस जनादेश को सर्वोच्च मान देते हुए मेरी सरकार ने 'सबका साथ - सबका विकास' के मंत्र पर चलते हुए, बिना भेदभाव के काम करते हुए, एक नए भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना शुरू किया।
- मैंने, इसी वर्ष 31 जनवरी को इसी सेंट्रल हॉल में कहा था कि मेरी सरकार पहले दिन से ही सभी देशवासियों का जीवन सुधारने, कुशासन से पैदा हुई उनकी मुसीबतें दूर करने और समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सभी जरुरी सुविधाएं पहुंचाने के लक्ष्य के प्रति समर्पित है।
- देश के लोगों ने, जीवन की मूलभूत सुविधाओं के लिए लंबे समय तक इंतजार किया, लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। मेरी सरकार जन-साधारण को इतना सजग, समर्थ, सुविधा-युक्त और बंधन-मुक्त बनाना चाहती है कि अपने सामान्य जीवन में उसे सरकार का 'दबाव, प्रभाव या अभाव' न महसूस हो। देश के प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त करना मेरी सरकार का मुख्य ध्येय है।
- मेरी सरकार राष्ट्र-निर्माण की उस सोच के प्रति संकल्पित है, जिसकी नींव वर्ष 2014 में रखी गई थी। देशवासियों की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी करते हुए, अब सरकार उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप एक सशक्त, सुरक्षित, समृद्ध और सर्वसमावेशी भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है। यह यात्रा 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की मूल भावना से प्रेरित है।
- तीन सप्ताह पहले, 30 मई को शपथ लेते ही सरकार नए भारत के निर्माण में और तेज़ी के साथ जुट गई। एक ऐसा नया भारत :
  - जहां हर व्यक्ति को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध हों;
  - जहां प्रत्येक देशवासी का जीवन बेहतर बने और उसका आत्म-सम्मान बढ़े;
  - जहां बंधुता और समरसता सभी देशवासियों को एक दूसरे से जोड़ती हो;
  - जहां आदर्शों और मूल्यों की हमारी बुनियाद और भी मजबूत बने; और
  - जहां विकास का लाभ हर क्षेत्र में एवं समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।

- हर भारतवासी के लिए यह गौरव का विषय है कि जब वर्ष 2022 में हमारा देश अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे करेगा तब हम नए भारत के निर्माण के अनेक राष्ट्रीय लक्ष्य हासिल कर चुके होंगे। नए भारत के स्वर्णिम भविष्य के पथ को प्रशस्त करना, मेरी सरकार का संकल्प है:
  - नए भारत के इस पथ पर ग्रामीण भारत मजबूत होगा और शहरी भारत भी सशक्त बनेगा;
  - नए भारत के इस पथ पर उद्यमी भारत को नई ऊंचाइयां मिलेंगी और युवा भारत के सपने भी पूरे होंगे;
  - नए भारत के इस पथ पर सभी व्यवस्थाएं पारदर्शी होंगी और ईमानदार देशवासी की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी;
  - नए भारत के इस पथ पर 21वीं सदी के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार होंगे और शक्तिशाली भारत के निर्माण के सभी संसाधन जुटाए जाएंगे।

कृषि क्षेत्र में सहकारिता का लाभ, डेयरी व्यवसाय से जुड़े किसानों को मिल रहा है। कृषि के अन्य क्षेत्रों में भी, किसानों को लाभान्वित करने के लिए, 10 हज़ार नए 'किसान उत्पादक संघ' बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्ष 2022 तक सभी ग्रामीण अंचलों में लगभग डेढ़ लाख 'हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' स्थापित किए जाने का लक्ष्य है। अब तक लगभग 18 हज़ार ऐसे सेंटर शुरू किए जा चुके हैं।

- इन्हीं संकल्पों के परिप्रेक्ष्य में, 21 दिन के अल्प समय में ही मेरी सरकार ने तेज़ी से किसानों, जवानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों, महिलाओं तथा समाज के अन्य वर्गों के कल्याण हेतु कई फैसले लिए हैं और उन पर अमल करना भी शुरू कर दिया है। साथ ही, कई नए कानून बनाने की दिशा में भी पहल की गई है।
- जो किसान हमारा अन्नदाता है, उसकी सम्मान-राशि की पहुंच बढ़ाते हुए, अब 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' को, देश के प्रत्येक किसान के लिए उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। अपने खेत में दिन-रात काम करने वाले किसान भाई-बहन 60 वर्ष की आयु के बाद भी सम्मानजनक जीवन बिता सकें, इसे ध्यान में रखते हुए किसानों से जुड़ी 'पेंशन योजना' को भी स्वीकृति दी जा चुकी है।
- पशुधन, किसानों के लिए बहुमूल्य है। जानवरों से जुड़ी बीमारी के इलाज में उनका बहुत पैसा खर्च होता है। इस खर्च को कम करने के लिए मेरी सरकार ने 13 हज़ार करोड़ रुपए की राशि से एक विशेष योजना शुरू करने का भी फैसला लिया है।
- पहली बार किसी सरकार ने छोटे दुकानदार भाई-बहनों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान दिया है। कैबिनेट की पहली बैठक में ही छोटे दुकानदारों और रीटेल ट्रेडर्स के लिए एक अलग 'पेंशन योजना' को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना का लाभ देश के लगभग 3 करोड़ छोटे दुकानदारों को मिलेगा।
- अपनी हर खुशी, हर सुख, हर त्योहार को त्याग करके, देशवासियों की सुरक्षा के लिए स्वयं को समर्पित करने वाले जवानों के प्रति हम सभी कृतज्ञ हैं। वह जवान, जो सीमा पर डटा रहता है, जिसकी वजह से सभी देशवासी निश्चिंत रहते हैं, उसके बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना भी हमारा दायित्व है। इसी भावना से प्रेरित होकर 'नेशनल डिफेंस फंड' से वीर जवानों के बच्चों को मिलने वाली स्कॉलरशिप की राशि बढ़ा दी गई है। इसमें पहली बार राज्य पुलिस के जवानों के बेटे-बेटियों को भी शामिल किया गया है।
- 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है- बढ़ता हुआ जल-संकट। हमारे देश में जल संरक्षण की परंपरागत और प्रभावी व्यवस्थाएं समय के साथ लुप्त होती जा रही हैं। तालाबों और झीलों पर घर बन गए और जल-स्रोतों के लुप्त होने से गरीबों के लिए पानी का संकट बढ़ता गया। क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग के बढ़ते प्रभावों के कारण आने वाले समय में, जल संकट के और गहराने की आशंका है। आज समय की मांग है कि जिस तरह देश ने 'स्वच्छ भारत अभियान' को लेकर गंभीरता दिखाई है, वैसी ही गंभीरता 'जल संरक्षण एवं प्रबंधन' के विषय में भी दिखानी होगी।
- मजबूत ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था के आधार पर ही सशक्त राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था का निर्माण संभव है। हमारे किसान, ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था के आधार स्तंभ हैं। राज्यों को कृषि विकास में पूरी मदद मिले, इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।
- ग्रामीण भारत को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। कृषि क्षेत्र की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए आने वाले वर्षों में 25 लाख करोड़ रुपए का और निवेश किया जाएगा।
- वर्ष 2022 तक देश के किसान की आय दोगुनी हो सके, इसके लिए पिछले 5 वर्षों में अनेक कदम उठाए गए हैं। MSP में बढ़ोतरी का फैसला हो, या फूड प्रोसेसिंग में 100 प्रतिशत FDI को मंजूरी; दशकों से अधूरी सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का काम हो या फिर 'फसल बीमा योजना' का विस्तार; 'सॉयल हेल्थ कार्ड' हो या फिर यूरिया की 100 प्रतिशत नीम कोटिंग; मेरी सरकार ने किसानों की ऐसी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को समझते हुए अनेक फैसले लिए हैं। सरकार ने कृषि नीति को उत्पादन-केंद्रित रखने के साथ-साथ आय-केंद्रित भी बनाया है।
- इन्हीं प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है - 'प्रधानमंत्री किसान

सम्मान निधि।' इसके माध्यम से सिर्फ तीन महीने में ही 12 हज़ार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के पास पहुंचाई जा चुकी है। हर किसान को इस योजना के दायरे में लाए जाने के बाद, अब इस योजना पर प्रतिवर्ष लगभग 90 हज़ार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

- कृषि क्षेत्र में सहकारिता का लाभ, डेयरी व्यवसाय से जुड़े किसानों को मिल रहा है। कृषि के अन्य क्षेत्रों में भी, किसानों को लाभान्वित करने के लिए, 10 हज़ार नए 'किसान उत्पादक संघ' बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- आज भारत मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। हमारे देश में प्रथम स्थान पाने की क्षमता है। समुद्री मछली उद्योग तथा आंतरिक मत्स्य पालन द्वारा किसानों की आय में वृद्धि की अपार संभावना है। इसीलिए सरकार, 'ब्लू रिवोल्यूशन' यानी 'नीली क्रांति' के लिए प्रतिबद्ध है। मछली पालन के समग्र विकास के लिए एक अलग विभाग गठित किया गया है। इसी प्रकार, मत्स्य उद्योग से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए एक विशेष फंड बनाया गया है।
- देश के निर्धन परिवारों को गरीबी से मुक्ति दिलाकर ही हम अपने संवैधानिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में किसानों, मजदूरों, दिव्यांगजनों, आदिवासियों और महिलाओं के हित में लागू की गई योजनाओं में व्यापक स्तर पर सफलता मिली है। गरीबों को सशक्त बनाकर ही उन्हें गरीबी के कुचक्र से बाहर निकाला जा सकता है। इसीलिए सरकार ने गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को आवास, स्वास्थ्य, जीवन की आवश्यक सुविधाओं, आर्थिक समावेश, शिक्षा, कौशल तथा स्वरोजगार के जरिए उन्हें सशक्त करने का मार्ग अपनाया है। यही दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय का कार्यरूप है।
- देश के 112 'आकांक्षी जिलों' यानी 'एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स' के विकास के लिए व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है। इन जिलों में देश के सबसे पिछड़े 1 लाख 15 हज़ार गांव हैं। इन गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास से करोड़ों गरीब परिवारों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- 'जनधन योजना' के रूप में विश्व के सबसे बड़े आर्थिक समावेशन के अभियान की सफलता के बाद मेरी सरकार बैंकिंग सेवाओं को देशवासियों के द्वार तक पहुंचाने का काम भी कर रही है। देश के गांव-गांव में और नॉर्थ-ईस्ट के दुर्गम क्षेत्रों में भी बैंकिंग सेवाएं आसानी से उपलब्ध हों, इसके लिए तेज़ी से काम हो रहा है। 'इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक' के माध्यम से देश के लगभग डेढ़ लाख डाकघरों को बैंकिंग सेवाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि हमारे डाकिया-साथी ही चलते-फिरते बैंक बनकर, बैंकिंग सेवाएं घर-घर तक पहुंचाएं।
- इलाज के खर्च से गरीब परिवार आर्थिक संकट में फंस जाते हैं। उन्हें इस संकट से बचाने के लिए, 50 करोड़ गरीबों को 'स्वास्थ्य-सुरक्षा-कवच' प्रदान करने वाली विश्व की सबसे बड़ी हेल्थ केयर स्कीम 'आयुष्मान भारत योजना' लागू की गई है। इसके तहत, अब तक लगभग 26 लाख गरीब मरीजों को अस्पताल में इलाज की सुविधा दी जा चुकी है। सस्ती दरों पर दवा उपलब्ध कराने के लिए 5,300 'जन औषधि केंद्र' भी खोले जा चुके हैं। हमारा प्रयास है कि दूर-सुदूर इलाकों में भी लोगों को जन औषधि केंद्रों से सस्ती दरों पर दवाइयां मिल सकें।
- वर्ष 2022 तक सभी ग्रामीण अंचलों में लगभग डेढ़ लाख 'हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' स्थापित किए जाने का लक्ष्य है। अब तक लगभग 18 हज़ार ऐसे सेंटर शुरू किए जा चुके हैं।
- महिला सशक्तीकरण, मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। नारी का सबल होना तथा समाज और अर्थ-व्यवस्था में उनकी प्रभावी भागीदारी, एक विकसित समाज की कसौटी होती है। सरकार की यह सोच है कि न केवल महिलाओं का विकास हो, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व में विकास हो।
- महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, राज्यों के सहयोग से अनेक प्रभावी कदम उठाए गए हैं। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के दंड अधिक सख्त बनाए गए हैं और नए दंड प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' अभियान से भ्रूण हत्या में कमी आई है और देश के अनेक जिलों में सेक्स-रेशियो में सुधार हुआ है।
- 'उज्ज्वला योजना' द्वारा धुएं से मुक्ति, 'मिशन इंद्रधनुष' के माध्यम से टीकाकरण, 'सौभाग्य' योजना के तहत मुफ्त बिजली कनेक्शन, इन सभी का सर्वाधिक लाभ ग्रामीण महिलाओं को मिला है। ग्रामीण क्षेत्र में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के अंतर्गत बने घरों की रजिस्ट्री में भी महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इस योजना में अगले तीन वर्षों के दौरान गांवों में लगभग 2 करोड़ नए घर बनाए जाएंगे।
- असंगठित क्षेत्र की महिला श्रमिकों के लिए भी सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। 'दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय आजीविका मिशन' के द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 'राष्ट्रीय आजीविका मिशन' के तहत ग्रामीण अंचलों की 3 करोड़ महिलाओं को अब तक 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण दिया जा चुका है।
- बीते पांच वर्षों में, युवाओं के कौशल विकास से लेकर उन्हें स्टार्ट-अप एवं स्वरोजगार के लिए आर्थिक मदद देने और उच्च-शिक्षा के लिए पर्याप्त सीटें उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। साथ ही स्कॉलरशिप की राशि में भी 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।
- सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के गरीब युवाओं के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इससे उन्हें नियुक्ति तथा शिक्षा के क्षेत्र में और अवसर प्राप्त हो सकेंगे।
- समाज के हर वर्ग का युवा अपने सपने पूरे कर सके, इसके लिए

समय पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने पर बल दिया जा रहा है। 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना' का प्रभाव व्यापक स्तर पर महसूस किया गया है। इस योजना के तहत, स्वरोजगार के लिए लगभग 19 करोड़ ऋण दिए गए हैं। इस योजना का विस्तार करते हुए अब 30 करोड़ लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

- उद्यमियों के लिए बिना गारंटी 50 लाख रुपए तक के ऋण की योजना भी लाई जाएगी। इसके अलावा अर्थ-व्यवस्था को गति प्रदान करने वाले क्षेत्रों में समुचित नीतियों के माध्यम से, रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जाएंगे।
- स्कूली स्तर पर ही बच्चों में टेक्नॉलॉजी के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। 'अटल इनोवेशन मिशन' के माध्यम से देशभर के लगभग 9 हज़ार स्कूलों में 'अटल टिंकरिंग लैब' की स्थापना का कार्य तेज़ी से प्रगति पर है। इसी प्रकार, 102 विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों में 'अटल इंक्यूबेशन सेंटर' बनाए जा रहे हैं।

'Insolvency and Bankruptcy Code' देश के सबसे बड़े और सबसे प्रभावी आर्थिक सुधारों में से एक है। इस कोड के अमल में आने के बाद प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों की साढ़े 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का निपटारा हुआ है। इस कोड ने बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों से लिया हुआ कर्ज न चुकाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया है।

- देश के खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने के साथ ही उसका विस्तार भी किया जाएगा। यह आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाएं खिलाड़ियों को उपलब्ध हों, इसके लिए नई व्यवस्था विकसित की जा रही है। हमारा प्रयास है कि खेल-जगत में उच्च स्थान प्राप्त करके हमारे खिलाड़ी देश का गौरव बढ़ाएं।
- देशवासियों का जीवन बेहतर बनाने में आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आज भारत विश्व की सबसे तेज़ी से विकसित हो रही अर्थ-व्यवस्थाओं में से एक है। महंगाई दर कम है, फिस्कल डेफ़िसिट नियंत्रण में है, विदेशी मुद्रा का भंडार बढ़ रहा है तथा मेक इन इंडिया का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।
- अब भारत, GDP की दृष्टि से दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। विकास दर को उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए सुधारों की प्रक्रिया जारी रखी जाएगी। हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2024 तक, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनॉमी बने।
- भारत को ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने के लिए तेज़ी से काम हो रहा है। इंडस्ट्री 4.0 को ध्यान में रखते हुए, जल्द ही नई औद्योगिक नीति की घोषणा की जाएगी। 'Ease of Doing Business' की रैंकिंग में वर्ष 2014 में भारत 142वें स्थान पर था।
- पिछले 5 वर्षों में 65 रैंक ऊपर आकर हम 77वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब विश्व के शीर्ष 50 देशों की सूची में आना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए राज्यों के साथ मिलकर नियमों को सरल बनाने की प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा। इसी कड़ी में कंपनी कानून में भी आवश्यक बदलाव लाए जा रहे हैं।
- अप्रत्यक्ष कर-व्यवस्था को भी आसान और प्रभावी बनाया जा रहा है। GST के लागू होने से 'एक देश, एक टैक्स, एक बाजार' की सोच साकार हुई है। GST को और सरल बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।
- छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए मेरी सरकार ने उनके लिए नई पेंशन योजना शुरू की है। अब जल्द ही 'राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड' का गठन किया जाएगा और खुदरा कारोबार में बढ़ोतरी के लिए 'राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति' भी बनाई जाएगी। GST के तहत रजिस्टर्ड, सभी व्यापारियों को, 10 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी उपलब्ध कराया जाएगा।
- MSME सेक्टर, देश की अर्थ-व्यवस्था का मजबूत आधार है। रोजगार सृजन में इस सेक्टर की बहुत बड़ी भूमिका होती है। छोटे उद्यमियों के व्यापार में कैश-फ्लो बना रहे, इसके लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। MSME सेक्टर से जुड़े उद्यमियों को ऋण लेने में दिक्कत न हो, इसके लिए क्रेडिट गारंटी कवरेज का दायरा एक लाख करोड़ रुपए तक बढ़ाने पर काम किया जा रहा है।
- काले धन के खिलाफ शुरू की गई मुहिम को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। पिछले 2 वर्ष में, 4 लाख 25 हज़ार निदेशकों को अयोग्य घोषित किया गया है और 3 लाख 50 हज़ार संदिग्ध कंपनियों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा चुका है।
- रियल एस्टेट सेक्टर में काले धन के लेनदेन को रोकने और ग्राहकों के हित की रक्षा में 'रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट' यानी रेरा का प्रभाव दिखाई दे रहा है। इससे मध्यम वर्ग के परिवारों को बहुत राहत मिल रही है।
- 'Insolvency and Bankruptcy Code' देश के सबसे बड़े और सबसे प्रभावी आर्थिक सुधारों में से एक है। इस कोड के अमल में आने के बाद प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों की साढ़े 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का निपटारा हुआ है। इस कोड ने बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों से लिया हुआ कर्ज न चुकाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया है।

- 'Direct Benefit Transfer' के तहत आज 400 से अधिक योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जा रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, 7 लाख 30 हज़ार करोड़ रुपए DBT के माध्यम से ट्रांसफर किए गए हैं।
- DBT की वजह से अब तक 1 लाख 41 हज़ार करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। इतना ही नहीं, लगभग 8 करोड़ गलत लाभार्थियों के नाम हटा दिए गए हैं। आने वाले समय में DBT का और विस्तार किया जाएगा। मैं राज्य सरकारों से आग्रह करूंगा कि वे भी ज्यादा से ज्यादा योजनाओं में DBT का इस्तेमाल करें।
- मेरी सरकार का सतत प्रयास है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण इको-फ्रेंडली हो। हाईवे और एक्सप्रेसवे की परियोजनाओं में कंक्रीट के साथ, हरियाली का भी समावेश किया जा रहा है। बिजली की आपूर्ति के लिए, सौर ऊर्जा के अधिक से अधिक उपयोग पर बल दिया जा रहा है। घरों और उद्योगों से निकले वेस्ट का उपयोग भी सड़क निर्माण में हो रहा है।
- 'भारतमाला परियोजना' के तहत वर्ष 2022 तक लगभग 35 हज़ार किलोमीटर नेशनल हाईवे का निर्माण या अपग्रेडेशन किया जाना है। साथ ही, 'सागरमाला परियोजना' के द्वारा देश के तटीय क्षेत्रों में और बंदरगाहों के आसपास, बेहतर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।
- सरकार हाईवे के साथ-साथ रेलवे, एयरवे और इनलैंड वॉटरवे के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर काम कर रही है। 'उड़ान योजना' के तहत, देश के छोटे शहरों को, हवाई यातायात से जोड़ने का काम तेज़ी से चल रहा है।
- मेरी सरकार, गंगा की धारा को अविरल और निर्मल बनाने के लिए समर्पित भाव से जुटी हुई है। हाल ही में, जगह-जगह से गंगा में जलीय जीवन के लौटने के जो प्रमाण मिले हैं, वे काफी उत्साहवर्धक हैं। इस वर्ष प्रयागराज में अर्धकुंभ के दौरान गंगा की स्वच्छता और श्रद्धालुओं को मिली सुविधा की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। मेरी सरकार ने अर्धकुंभ के सफल आयोजन में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानित करके उनका आत्म-गौरव बढ़ाया है।
- मेरी सरकार 'नमामि गंगे' योजना के तहत गंगा नदी में गिरने वाले गंदे नालों को बंद करने के अभियान में और तेज़ी लाएगी। सरकार का प्रयास रहेगा कि गंगा की तरह ही कावेरी, पेरियार, नर्मदा,यमुना, महानदी और गोदावरी जैसी अन्य नदियों को भी प्रदूषण से मुक्त किया जाए।
- मेरी सरकार का प्रयास है कि अंतरिक्ष टेक्नॉलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग मानव कल्याण के लिए किया जाए। सड़कें हों, गरीबों का घर हो, खेती हो, मछुआरों के लिए उपयोगी उपकरण हों, ऐसी अनेक सुविधाओं को अंतरिक्ष टेक्नॉलॉजी से जोड़ा गया है।
- लोकसभा चुनाव के दौरान, देश ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। हालांकि इसकी उतनी चर्चा नहीं हो पाई, जितनी होनी चाहिए थी। 'मिशन शक्ति' के सफल परीक्षण से भारत की अंतरिक्ष टेक्नॉलॉजी की क्षमता और देश की सुरक्षा-तैयारियों में नया आयाम जुड़ा है। इसके लिए आज मैं, अपने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को फिर से बधाई देता हूं।
- सुरक्षा के क्षेत्र में टेक्नॉलॉजी की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। इस पर ध्यान देते हुए स्पेस, साइबर और स्पेशल फोर्सेस के लिए तीन ज्वाइंट सर्विस एजेंसियों के गठन पर काम चल रहा है। इन साझा प्रयासों से देश की सुरक्षा मजबूत होगी।
- नया भारत, विश्व समुदाय में अपना उचित स्थान पाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। आज पूरे विश्व में भारत की एक नई पहचान बनी है तथा अन्य देशों के साथ हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। यह प्रसन्नता की बात है कि वर्ष 2022 में भारत G-20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा।
- 21 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' घोषित किए जाने के भारत के प्रस्ताव को विश्व समुदाय ने व्यापक और उत्साहपूर्ण समर्थन दिया। इस समय विश्व के अनेक देशों में बड़े उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से जुड़े कार्यक्रम चल रहे हैं।
- सीमा पार आतंकवादी ठिकानों पर, पहले सर्जिकल स्ट्राइक और फिर पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक करके भारत ने अपने इरादों और क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। भविष्य में भी अपनी सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।
- अवैध तरीके से भारत में दाखिल हुए विदेशी, आतंरिक सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं। इससे देश के अनेक क्षेत्रों में सामाजिक असंतुलन की समस्या भी उत्पन्न हो रही है। इसके साथ ही आजीविका के अवसरों पर भी भारी दबाव अनुभव किया जा रहा है। मेरी सरकार ने यह तय किया है कि घुसपैठ की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रों में 'नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स' की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर अमल में लाया जाएगा। घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर सुरक्षा को और सशक्त किया जाएगा।
- सरकार जहां घुसपैठियों की पहचान कर रही है, वहीं आस्था के आधार पर उत्पीड़न का शिकार हुए परिवारों की सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसके लिए भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को उचित संरक्षण देते हुए नागरिकता कानून में संशोधन का प्रयास किया जाएगा।
- मेरी सरकार जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल देने के लिए, पूरी निष्ठा के साथ प्रयास कर रही है। वहां पर स्थानीय निकायों के शांतिपूर्ण चुनाव और हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव से हमारे इन प्रयासों को बल मिला है। मेरी सरकार जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए आवश्यक हर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।
- मेरी सरकार देश को नक्सलवाद से मुक्ति दिलाने पर भी संकल्प-बद्ध होकर काम कर रही है। इस दिशा में पिछले 5 वर्ष में काफी

सफलता मिली है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का दायरा निरंतर घट रहा है। आने वाले वर्षों में इन क्षेत्रों में विकास के कार्यक्रमों में और तेज़ी लाई जाएगी जिससे वहां रहने वाले आदिवासी भाई-बहन लाभान्वित होंगे।

❖ मेरी सरकार, सेना और सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के काम को तेज़ी से आगे बढ़ा रही है। निकट भविष्य में ही भारत को पहला 'रफाएल' लड़ाकू विमान और 'अपाचे' हेलीकॉप्टर भी मिलने जा रहे हैं।

❖ सैनिकों और शहीदों का सम्मान करने से सैनिकों में आत्म-गौरव और उत्साह बढ़ता है तथा हमारी सैन्य क्षमता मजबूत होती है। इसीलिए सैनिकों और उनके परिवार-जनों का ध्यान रखने की हर संभव कोशिश की जा रही है। 'वन रैंक वन पेंशन' के माध्यम से पूर्व सैनिकों की पेंशन में बढ़ोतरी करके तथा उनकी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करके उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

जनता और सरकार के बीच की दूरी कम करते हुए, जन-भागीदारी पर जोर दिया जाए तो सरकार की योजनाओं को देशवासी जन-आंदोलन का रूप दे देते हैं। बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने का यही तरीका है। इसी मार्ग पर चलने से 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' योजना से लेकर 'स्वच्छ भारत अभियान' ने जन-आंदोलनों का रूप प्राप्त किया। जन-भागीदारी की इसी शक्ति से हम नए भारत के लक्ष्यों को भी प्राप्त करेंगे।

❖ आजादी के सात दशक के बाद, मेरी सरकार द्वारा दिल्ली में इंडिया गेट के समीप बनाया गया 'नेशनल वॉर मेमोरियल' शहीदों के प्रति कृतज्ञ राष्ट्र की विनम्र श्रद्धांजलि है। इसी तरह देश की सुरक्षा में शहीद होने वाले हमारे पुलिस बल के जवानों की स्मृति में मेरी सरकार ने 'नेशनल पुलिस मेमोरियल' का निर्माण किया है।

❖ राष्ट्र निर्माण के पथ पर, इतिहास से मिली प्रेरणा, भविष्य का हमारा मार्ग और प्रशस्त करती है। इसके लिए, राष्ट्र-निर्माताओं की स्मृति को कृतज्ञता-पूर्वक सँजोना भी हमारा दायित्व है। पिछले पांच वर्षों में देश में अनेक ऐसे कार्य हुए हैं। पूज्य बापू और ऐतिहासिक दांडी मार्च के सम्मान में 'दांडी म्यूजियम' का निर्माण किया गया है।

❖ लौहपुरुष सरदार पटेल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की स्थापना की गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के अन्य सेनानियों को श्रद्धांजलि देते हुए दिल्ली के लाल किले में 'क्रांति मंदिर' का निर्माण किया गया है। बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण स्थल, दिल्ली के 26 अलीपुर रोड को नेशनल मेमोरियल का स्वरूप दिया गया है। देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान को सम्मान देते हुए दिल्ली में एक म्यूजियम का निर्माण भी किया जा रहा है।

❖ आज हमारे देश के पास स्वतंत्रता के बाद के लगभग 72 वर्ष की यात्रा के संचित अनुभव हैं। उन अनुभवों से सीख लेते हुए ही देश आगे बढ़ रहा है। हम सभी को इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना है कि वर्ष 2022 में जब हम स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ मनाएं तब नए भारत की हमारी परिकल्पना साकार रूप ले चुकी होगी। इस प्रकार, आजादी के 75वें साल के नए भारत में:

- किसान की आय दोगुनी होगी;
- हर गरीब के सिर पर पक्की छत होगी;
- हर गरीब के पास स्वच्छ ईंधन की सुविधा होगी;
- हर गरीब के पास बिजली का कनेक्शन होगा;
- हर गरीब खुले में शौच की मजबूरी से मुक्त हो चुका होगा;
- हर गरीब की पहुंच में मेडिकल सुविधाएं होंगी;
- देश का हर गांव, सड़क संपर्क से जुड़ा होगा;
- गंगा की धारा अविरल और निर्मल होगी;
- राज्यों के सहयोग से, हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ-व्यवस्था बनने के लक्ष्य के निकट होंगे;
- हम, विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल होने की तरफ अग्रसर होंगे;
- भारतीय संसाधनों के बल पर कोई देशवासी अंतरिक्ष में तिरंगा लहराएगा; और
- हम, एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ विश्व के विकास को नेतृत्व देने के लिए कदम बढ़ाएंगे।

❖ जनता और सरकार के बीच की दूरी कम करते हुए, जन-भागीदारी पर जोर दिया जाए तो सरकार की योजनाओं को देशवासी जन-आंदोलन का रूप दे देते हैं। बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने का यही तरीका है। इसी मार्ग पर चलने से 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' योजना से लेकर 'स्वच्छ भारत अभियान' ने जन-आंदोलनों का रूप प्राप्त किया। जन-भागीदारी की इसी शक्ति से हम नए भारत के लक्ष्यों को भी प्राप्त करेंगे।

❖ इसी वर्ष, हमारे संविधान को अंगीकृत किए जाने के 70 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। सांसद के रूप में आप सभी ने भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ ली है। हम सभी के लिए संविधान ही सर्वोपरि है। हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि देश के सामाजिक और आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संविधान-सम्मत तरीके ही उपयोग में लाने चाहिए। ■

आतंकवाद को प्रोत्साहन दे रहे देशों को जवाबदेह ठहराया जाए: नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद को प्रोत्साहन, समर्थन और धन मुहैया कराने वाले देशों की 14 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में आलोचना की। साथ ही, उन्होंने यहां मौजूद शीर्ष नेताओं से कहा कि ऐसे देशों को अवश्य ही जवाबदेह ठहराया जाए। श्री मोदी ने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए यह कहा, हालांकि वहां के प्रधानमंत्री श्री इमरान खान भी उपस्थित थे।

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए एक वैश्विक सम्मेलन का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग को मजबूत करने की एससीओ की भावना और उसके विचारों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत एक आतंकवाद मुक्त समाज की हिमायत करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं पिछले रविवार श्रीलंका की अपनी यात्रा के दौरान सेंट एंथनी गिरजाघर गया, जहां मैंने आतंकवाद का घिनौना चेहरा देखा। इस आतंकवाद ने हर जगह निर्दोष लोगों की जान ली है।

श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद की बुराई से लड़ने के लिए राष्ट्रों को इसके खिलाफ एकजुट होने की खातिर अपने संकीर्ण दायरे से बाहर निकलना होगा। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति श्री शी चिनफिंग, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री इमरान खान और ईरान के राष्ट्रपति श्री हसन रूहानी सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में यह कहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद को प्रोत्साहन, समर्थन और धन मुहैया कराने वाले राष्ट्रों को जिम्मेदार ठहराना जरुरी है। उन्होंने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों को आतंकवाद का खात्मा करने के लिए एससीओ-क्षेत्रीय आतंक रोधी ढांचा (आरएटीएस) के तहत सहयोग करना चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि साहित्य एवं संस्कृति हमारे समाज को एक सकारात्मक गतिविधि प्रदान करते हैं। खासकर, वे हमारे समाज के युवाओं में चरमपंथ के प्रसार को रोकते हैं। उन्होंने कहा कि एक शांतिपूर्ण, एकीकृत, सुरक्षित और समृद्ध अफगानिस्तान एससीओ में स्थिरता और सुरक्षा के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अफगान नीत, अफगान का अपना और अफगान नियंत्रित व्यापक शांति प्रक्रिया का समर्थन करना है। हम इस बात को लेकर खुश हैं कि एससीओ अफगानिस्तान संपर्क समूह में आगे का एक खाका तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के एससीओ का पूर्ण सदस्य देश बने दो साल हो गए हैं। भारत ने एससीओ की सभी गतिविधियों में सकारात्मक योगदान दिया है।

साथ ही, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आर्थिक सहयोग

हमारे लोगों के भविष्य का आधार है। एकपक्षवाद और संरक्षणवाद ने किसी का भला नहीं किया है। हमें विश्व व्यापार संगठन पर केंद्रित एक नियम आधारित, पारदर्शी, भेदभावरहित, खुली और समावेशी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की आवश्यकता है। इससे ही सभी सदस्यों, विशेष रूप से विकासशील देशों के हितों को ध्यान में रखा जा सकेगा।

श्री मोदी ने कहा कि भारत एससीओ सदस्य देशों के बीच आर्थिक गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर तेजी से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। आज हम महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, इनसे एससीओ में वित्तीय मामलों में और डिजिटलाइज़ेशन और ICT में सहयोग मजबूत होगा।

गौरतलब है कि श्री मोदी दो दिवसीय एससीओ सम्मेलन के लिए 13 जून को बिश्केक पहुंचे। एससीओ चीन के नेतृत्व वाला आठ सदस्यीय आर्थिक एवं सुरक्षा संगठन है, जिसमें भारत और पाकिस्तान को 2017 में शामिल किया गया।

भारत अपने यहां हुए आतंकवादी हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराता रहा है और उसने पाकिस्तान से कहा है कि वह अपनी सरजमीं से संचालित हो रहे आतंकवादी संगठनों की मदद करना बंद कर दे।

पठानकोट एयरबेस में जनवरी 2016 में एक पाकिस्तानी आतंकी संगठन द्वारा किए गए हमले के बाद भारत पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से बातचीत नहीं कर रहा है। भारत का यह कहना है कि वार्ता और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते।

वहीं, इस साल की शुरुआत में भारत-पाक संबंध उस वक्त और तनावपूर्ण हो गए, जब 14 फरवरी को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक आत्मघाती हमले में कश्मीर के पुलवामा जिले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए। इसके बाद, भारतीय वायुसेना ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश के सबसे बड़े प्रशिक्षण शिविर पर हवाई हमला किया था। ■

भारत और मालदीव के बीच छह समझौतों पर हस्ताक्षर

सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पहले विदेशी दौरे पर 8 जून को मालदीव पहुंचे। उनकी यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति को दी जा रही महत्ता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का माले हवाई अड्डे पर विदेश मंत्री श्री अब्दुल्ला शाहिद ने स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता श्री रवीश कुमार ने ट्वीट किया, 'चिरकालीन दोस्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी मालदीव की राजधानी माले पहुंचे, जहां विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री पिछली बार यहां नवंबर 2018 में राष्ट्रपति (इब्राहिम मोहम्मद) सोलिह के शपथ ग्रहण समारोह में आए थे।'

प्रधानमंत्री श्री मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति श्री इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने 8 जून को कई मुद्दों पर बातचीत की। दोनों देशों ने रक्षा और समुद्र समेत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। पहला समझौता ज्ञापन (एमओयू) जल विज्ञान संबंधी मामलों के क्षेत्र में सहयोग के लिए किया गया। दूसरा करार स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया गया। अन्य समझौते समुद्र मार्ग के जरिए यात्री और मालवाहक सेवाएं स्थापित करने, भारत के केंद्रीय परोक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड तथा मालदीव सीमा शुल्क सेवा के बीच सहयोग पर किए गए। यही नहीं, प्रधानमंत्री श्री मोदी को मालदीव का सर्वोच्च पुरस्कार 'रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन' से सम्मानित किया गया।

मालदीव की राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य कहा कि आज मुझे मालदीव के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करके आपने मुझे ही नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष को एक नया गौरव दिया है। निशान इज्जुद्दीन का सम्मान मेरे लिए हर्ष और गर्व का विषय है। यह मेरा ही नहीं बल्कि दोनों देशों के बीच मित्रता और घनिष्ठ संबंधों का सम्मान है। मैं इसे बड़ी विनम्रता और आभार के साथ सभी भारतीयों की ओर से स्वीकार करता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे दोनों देशों को हिन्द महासागर की लहरों ने हजारों साल से घनिष्ठ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों में बांधा है। यह अटूट मित्रता मुश्किल समय में भी हमारी मार्गदर्शक बनी है। सन् 1988 में बाहरी हमला हो या सुनामी जैसी कुदरती आपदा या फिर हाल में पीने के पानी की कमी। भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा रहा है और मदद के लिए सबसे पहले आगे आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में संसदीय चुनाव और मालदीव में राष्ट्रपति और मजलिस के चुनावों के जनादेश से स्पष्ट है कि हमारे दोनों देशों के लोग स्थिरता और विकास चाहते हैं। ऐसे में, आम जन केंद्रित और समावेशी विकास तथा सुशासन की हमारी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

श्री मोदी ने कहा कि मैंने अभी राष्ट्रपति सोलिह के साथ बहुत विस्तृत और उपयोगी विचार-विमर्श किया। हमने आपसी हितों के

क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के साथ-साथ हमारे द्विपक्षीय सहयोग की विस्तार से समीक्षा की है। हमारी साझेदारी की भावी दिशा पर हमारे बीच पूर्ण सहमति है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति सोलिह, आपके पद ग्रहण करने के बाद से द्विपक्षीय सहयोग की गति और दिशा में मौलिक बदलाव आया है। दिसंबर 2018 की आपकी भारत की यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों को ठोस और समयबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति सोलिह की भारत यात्रा के दौरान घोषित 1.4 अरब डॉलर के वित्तीय पैकेज से मालदीव की तत्कालीन

वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति तो हुई ही है। साथ ही सोशल इम्पैक्ट के कई नए प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं और 800 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ़ क्रेडिट के अंतर्गत विकास कार्यों के नये रास्ते भी खुले हैं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच विकास साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमने मालदीव के आम नागरिकों को लाभ पहुंचाने वाली परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है।

प्रधानमंत्री की मालदीव की राजकीय यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए समझौतों/समझौता ज्ञापनों की सूची :

क्रं.सं.	समझौता/एमओयू का नाम
1.	भारतीय नौसेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के बीच हाइड्रोग्राफी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एमओयू
2.	भारत सरकार और मालदीव सरकार के बीच स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू
3.	भारत सरकार के जहाजरानी मंत्रालय एवं मालदीव सरकार के परिवहन एवं नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बीच समुद्री मार्ग से यात्री एवं कार्गो सेवाओं की स्थापना के लिए एमओयू
4.	भारत के केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड तथा मालदीव की कस्टम सेवाओं के बीच कस्टम क्षमता निर्माण में सहयोग के लिए एमओयू
5.	राष्ट्रीय सुशासन केन्द्र, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग और मालदीव के सिविल सर्वेंट्स के लिए प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर मालदीव सिविल सर्विस कमीशन के बीच एमओयू
6.	भारतीय नौ सेना एवं मालदीव राष्ट्रीय सुरक्षा बल के बीच व्हाइट शिपिंग सूचना साझा करने पर तकनीकी समझौता

प्रधानमंत्री की श्रीलंका यात्रा

भारत श्रीलंका के साथ एकजुटता से खड़ा है: नरेन्द्र मोदी

दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी अपनी पहली विदेश यात्रा के दूसरे चरण में 9 जून को पड़ोसी द्वीप देश श्रीलंका पहुंचे। श्री मोदी ने इस यात्रा के लिए पड़ोसी देशों मालदीव और श्रीलंका को चुना। यह यात्रा 'पड़ोसी प्रथम' की उनकी नीति को दर्शाती है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री श्री रानिल विक्रमसिंघे ने भंडरनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया।

श्री मोदी ने श्रीलंका पहुंचने के साथ ही ट्वीट किया, ''फिर से श्रीलंका आकर अच्छा लग रहा है। पिछले चार साल में इस सुन्दर द्वीप देश की यह मेरी तीसरी यात्रा है। मेरा उत्साह भी श्रीलंका के लोगों की गर्मजोशी से कम नहीं है। भारत अपने मित्रों को उनकी जरूरत के वक्त कभी नहीं भूलता। भव्य स्वागत से अभिभूत हूं।" श्रीलंका पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सबसे पहले कोलंबो स्थित उस सेंट एंटनी चर्च का दौरा किया, जहां 21 अप्रैल को ईस्टर के दिन धमाके हुए थे। यहां श्री मोदी ने धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि ईस्टर धमाकों के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी श्रीलंका पहुंचने वाले पहले विदेशी नेता हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने चर्च दौरे की तस्वीर को ट्वीट करते हुए लिखा कि उन्हें विश्वास है कि श्रीलंका फिर खड़ा होगा। प्रधानमंत्री ने ट्वीट

किया, 'मुझे विश्वास है कि श्रीलंका फिर से खड़ा होगा। आतंक का कायरतापूर्ण कृत्य श्रीलंका की भावना को नहीं पराजित कर सकता है। भारत श्रीलंका के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।'

अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री मैत्रिपाल सिरिसेना से द्विपक्षीय बातचीत की। श्रीलंकाई राष्ट्रपति भवन में उन्होंने अशोक के एक पौधे को लगाया। उन्होंने विपक्ष के नेता श्री महिंदा राजपक्षे से भी मिले। श्रीलंका की मुख्य तमिल पार्टी- द तमिल नेशनल अलायंस के एक प्रतिनिधिमंडल भी श्री मोदी से मुलाकात की। ■

नरेंद्र मोदी होने का अर्थ

अम्बा चरण वशिष्ठ

नरेन्द्र मोदी होने का अर्थ बहुत है, व्यापक और गहरा। इसके भाव तक जाने के लिए चाहिए एक सहज बुद्धि व दृष्टि और एक सकारात्मक सोच व समझ। मोदीजी के विरोधी राजनीतिक दल या व्यक्ति इसका अर्थ तो समझते हैं पर सार्वजनिक रूप में कभी मानेंगे नहीं।

अपनी नवीनतम पुस्तक नरेंद्र मोदी होने का अर्थ को लेखक डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री इसे "ह्रदय पक्ष से ताल्लुक रखनेवाली स्वच्छंद अभिव्यक्ति" मानते हैं। 2014 के चुनाव में मोदीजी 30 वर्षों के अंतराल के बाद पहले प्रधान मंत्री हुए जिन्होंने जनता को एक नयी सोच व दिशा देकर अपनी पार्टी भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाया। यह जीत थोथे नारों की नहीं, भारतीयता और राष्ट्रवाद का प्रतीक बनकर उभरे मोदी और उनकी भाजपा की थी। उन्होंने राजनीति की सूखी धरती पर बारिश की पहली बौछारें बरसाकर जो सौंधी सुगंध फैलाई वह सबके मन को भा गई। जनता ने उन स्वयंसिद्ध सेकुलरवादी ढिंढोरची नेताओं व शक्तियों को धूल चटा दी थी जिन्हें राष्ट्रगीत वंदेमातरम को गाने और भारतमाता की जय पुकारने पर गर्व नहीं, शर्म और सांप्रदायिकता की बू आती थी। जो हिन्दू धर्म व संस्कृति का मज़ाक उड़ाते फिरते थे, वह भी इस रास्ते पर चलने के लिये मजबूर हो गये। उन्हें भी स्पर्धा में आना पड़ा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में पिछले सात दशकों में अधिकतर समय तक शासन कांग्रेस का ही रहा जो बस परिवार या वंश तक ही सीमित होकर रह गया। कुछ समय के लिये रहा गठबंधन सरकारों का आधिपत्य जो अपनी जाति, संप्रदाय और क्षेत्र से आगे कुछ देखने में सक्षम ही न थे। गठबंधन भ्रष्टाचारियों व आतंकवादियों का आश्रय बनने लगा। अगली बार किसने देखी है? जितना भी बटोर सकते हो इसी कार्यकाल में बटोर लो। तब मिलता रहा भ्रष्टाचार को खाद-पानी। सोनिया गांधी की छत्रछाया में चली यूपीए

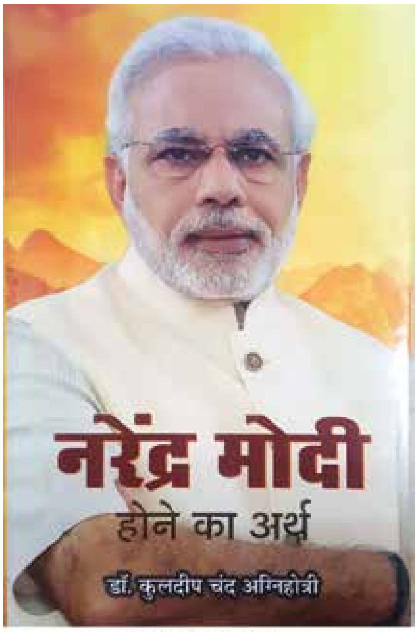

प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : ₹ 500/-

सरकार में तो राम और राममंदिर की बात करना ही घोर साम्प्रदायिकता बन गई थी। उन्होंने तो भगवान राम तक को एक काल्पनिक व्यक्ति बना दिया था।

अपने चुनाव घोषणापत्र के माध्यम से मोदीजी ने लकीर से हटकर देश को एक नई दिशा में ले जाने का संकल्प लिया जो जनता की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप बैठा।

मोदीजी के पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल की समीक्षा करते हुए डॉ. अग्निहोत्री इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि विरोधी चाहे कुछ भी कहें, इतना बड़ा समर्थन सभी वर्गों, जातियों और संप्रदायों, विशेषकर मुस्लिम भाइयों के बिना संभव ही नहीं हो सकता। मोदीजी प्रधानमंत्री भाजपा के नहीं, सारे देश के हैं, सब के हैं। 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर आगे बढ़कर उन्होंने यह सिद्ध भी कर दिखाया है। चुनाव परिणामों ने एक स्पष्ट संदेश दिया कि देश को एक ऐसे सशक्त प्रधानमंत्री की आवश्यकता थी जिसमें स्वयं अपने पर भी विश्वास हो और समय पर स्वयं उचित निर्णय लेने की क्षमता भी। मोदीजी अपनी कथनी और करनी से जनता की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरे उतरे हैं। यही कारण है कि जब मोदीजी देशहित में कोई कड़ा व कड़वा निर्णय लेते हैं तो जनता उनके साथ खड़ी मिलती है। इसका सबूत हैं जीएसटी और विमुद्रीकरण जैसे साहसिक व क्रांतिकारी निर्णय और उनके बाद एक के बाद अनेक चुनावों में भाजपा की विजय।

चीन के साथ भूटान और भारत की सीमा पर स्थित डोकलाम मामले पर देशहित में जो कड़ा रुख मोदी सरकार ने अपनाया उससे सारे विश्व को पता चल गया कि अब वह दिन हवा हो गए जब ऐसे मौकों पर भारत शांति के नाम पर गिड़गिड़ाने लगता था।

उरी पर पाकिस्तान समर्थित आतंकियों हिमाकत के जवाब में भारत ने एक सर्जिकल स्ट्राइक कर दी। बाद में जब पाकिस्तान में पले आतंकवादियों ने पुलवामा कांड किया और हमारे 40 से अधिक वीर जवानों को शहीद कर दिया तो मोदीजी ने उसी क्षण साफ कर दिया कि हमारे वीर जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जायेगी। पाकिस्तान को इसकी सज़ा भुगतनी पड़ेगी। उन्होंने पाकिस्तान को माकूल जवाब देने के लिए सेना को समुचित कार्रवाई की छूट दे दी। हमारी बहादुर वायुसेना ने बालकोट जाकर आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

पुस्तक में मोदीजी द्वारा जनता की भलाई के लिए चलाये गए अनेकों योजनाओं, कार्यक्रमों और उससे हुए आम जनता के उद्धार की बारीकी से समीक्षा तथा सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से आए बदलाव की भी व्याख्या की गई है। आतंकवादियों से निपटने के लिए कठोर पग उठाए गए जिससे उनके मन में भय और जनता में सुरक्षा का विश्वास जगा है। इस पुस्तक को लेखक ने ठीक समय पर निकाला है। जिन बातों पर तथ्य व तर्क विहीन आलोचना मोदीजी के विरोधी करते हैं, लेखक ने उन पर आंकड़ों के तथ्य से उनके झूठ के दर्शन करवाये हैं। पुस्तक का गेटअप अच्छा है और प्रस्तुति भी। जिन महानुभावों को सच से साक्षात्कार करना है उनके लिए यह पुस्तक पढ़ने योग्य है। ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने 2019 में दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को ब्रिटिश पत्रिका ने वैश्विक स्तर पर अपने बढ़ते हुए कद को दोहराते हुए 2019 का दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति घोषित किया है। ब्रिटिश हेराल्ड पत्रिका द्वारा करवाए गए सर्वेक्षण में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नाम शामिल थे। इसमें मोदी 30.9 प्रतिशत वोट हासिल करते हुए प्रथम स्थान पर रहे। वहीं, पुतिन, ट्रम्प और जिनपिंग को क्रमशः 29.9 प्रतिशत, 21.9 प्रतिशत और 18.1 प्रतिशत वोट मिले। पाठकों की वोटिंग में दुनियाभर के 25 नेताओं को शामिल किया गया था। इसमें से चार उम्मीदवारों को विशेषज्ञ समिति द्वारा चुना गया था। ■

देशसेवा ही डॉ. मुखर्जी का परम लक्ष्य था: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 जून को दिल्ली स्थित शहीदी पार्क और भाजपा केंद्रीय कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के 'बलिदान दिवस' पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा कि यह श्रद्धांजलि महज उनके द्वारा अपने जीवन में किये गए कार्यों के लिए श्रद्धांजलि नहीं बल्कि इस श्रद्धांजलि के साथ-साथ हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेने की भी आवश्यकता है।

श्री नड्डा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी प्रखर राष्ट्रवाद, दूरदृष्टा, दिशा देने वाले और नदी का मुख मोड़ने वाले हमारे नेता थे। श्री नड्डा ने डॉ. मुखर्जी की जीवन यात्रा का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि उनमें देश की समस्याओं से जूझने की उत्कट इच्छा शक्ति थी जिसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने सबसे पहले शिक्षा में खुद को समर्पित किया। हम सबों के लिए सौभाग्य की बात है कि जनसंघ का नेतृत्व करने वाले हमारे नेता डॉ. मुखर्जी एक प्रखर शिक्षाविद भी थे और मात्र 33 वर्ष की अवस्था में कलकत्ता विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर बनने वाले विश्व के सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने। श्री नड्डा ने कहा की डॉ. मुखर्जी किसी पद के मोहताज नहीं, बल्कि देश सेवा ही उनका परम लक्ष्य था।

श्री नड्डा ने कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री पर निशाना साधते कहा कि श्री जवाहर लाल नेहरु ने डॉ. मुखर्जी को अंतरिम सरकार में मंत्री पद दिया लेकिन नेहरु की तुष्टिकरण की नीति और नेहरु-लियाकत अली पैक्ट के विरोध में अपना इस्तीफा दे दिया तथा देश की एकता, अखंडता के लिए उन्होंने अपने को समर्पित कर दिया। डॉ. मुखर्जी ने पूरी दृढ़ता के साथ कहा था भारत के तिरंगे का सम्मान होना चाहिए और एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे।

श्री नड्डा ने कहा की 23 जून 1953 को डॉ. मुखर्जी की जिस प्रकार संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई, उससे पूरे देश में कोहराम मच गया और देश की जनता उस समय प्रश्न करने लग गयी कि जब डॉ. मुखर्जी अच्छी सेहत की स्थिति में जम्मू में प्रवेश किए थे तो एक माह के अन्दर

आखिर उनकी जीवन लीला कैसे समाप्त हो गयी? पूरे देश ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मौत की जांच की मांग की, लेकिन पंडित नेहरू ने जांच के आदेश नहीं दिये, इतिहास इस बात का गवाह है। श्री नड्डा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा। भारतीय जनता पार्टी इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि उनकी मौत के कारणों का पता लगाकर रहेगी।

श्री नड्डा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के बलिदान के कारण ही आज जम्मू कश्मीर से परमिट सिस्टम समाप्त हुआ और तिरंगा अपने पूरे शान के साथ जम्मू-कश्मीर में लहरा रहा है, सुप्रीम कोर्ट और सीएजी के अधिकार क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर आया और उन्हीं के बलिदान का परिणाम है कि जम्मू-कश्मीर आज देश की मुख्य धारा में शामिल है। इस एजेंडे को हमेशा हमें याद रखना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस एजेंडे को आगे बढ़ा रही है और हम पूरी ताकत के साथ जम्मू-कश्मीर के विषय को लेकर आगे बढ़े हैं। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ताओं और देश के युवाओं के लिए अदम्य प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन में जो कार्य किये वो उस समय से बहुत आगे के थे। देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को सदैव स्मरण करता रहेगा। ■

माले (मालदीव) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मालदीव का सर्वोच्च पुरस्कार रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन से सम्मानित करते मालदीव के राष्ट्रपति श्री इब्राहिम मोहम्मद सोलिह

कोलंबो (श्रीलंका) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री मैत्रिपाल सिरिसेना

बिश्केक (किर्गिस्तान) में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान एससीओ नेताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

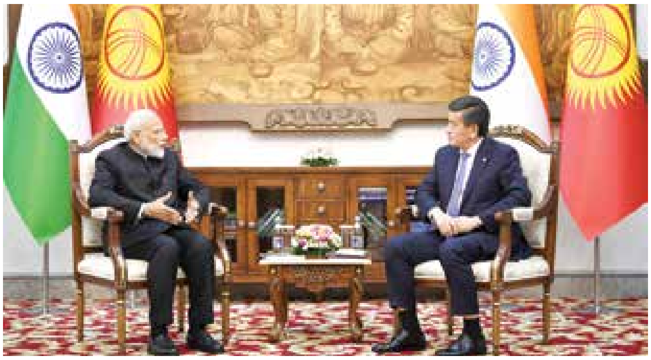

बिश्केक (किर्गिस्तान) में किर्गिस्तान के राष्ट्रपति श्री सूरोनबे जीनबेकोव से मिलते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

नई दिल्ली में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से उपयोगी बातचीत के बाद एक ग्रुप फोटो में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19

रांची में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास व जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की छवियां